राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 251 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,09 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

नारी शक्ति ने भारत का नाम ऊंचा किया है: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति का अभिनंदन किया और कहा कि महिलाओं ने दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है। अपने ट्वीट के जरिए प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम नारी शक्ति को सलाम करते हैं। महिलाओं ने भारत का नाम रोशन किया है और सफलता की ऊंचाइयों को छूआ है। उन पर भारत को गर्व है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार का सौभाग्य है कि हमें महिला सशक्तिकरण के कार्य को आगे बढ़ाने का अवसर मिल रहा है।

राज्यसभा में तीन नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली। बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन सोमवार को तीन नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ग्रहण किया। इनमें दो गुजरात और एक असम से निर्वाचित सदस्य शामिल हैं। तीनों सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर निर्वाचित हुए हैं। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सभापति एम. वेंकैया नायडू ने तीनों सदस्यों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई। गुजरात से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिनेश चंद्र और रामभाई मोकरिया ने शपथ ली। दिनेशचंद्र जेमलभाई ने संस्कृत और रामभाई हरजीभाई मोकरिया ने हिन्दी में शपथ ग्रहण किया। जबकि असम से भाजपा के विश्वजीत दैमारी ने असमिया भाषा में शपथ ली। सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित सदस्यों का मेज थपथपाकर स्वागत किया। हाल ही में संपन्न राज्यसभा उपचुनावों में इन सदस्यों ने निर्विरोध जीत हासिल की है।

विधान भवन के 36 कर्मचारी कोरोना संक्रमित

मुंबई। विधान भवन के 36 कर्मचारी-अधिकारी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसे देखते हुए विधान भवन परिसर को पूरी तरह सैनिटाइज किया गया है। पॉजिटिव पाए गए सभी लोगों का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार सोमवार को विधान भवन में पेश होने वाले बजट के मद्देनजर 6 व 7 मार्च को विशेष रूप से विधान भवन के अधिकारियों, कर्मचारियों, मंत्रियों, विधायकों व पत्रकारों का कोरोना टेस्ट किया गया था। जेजे अस्पताल की टीम ने विधान भवन परिसर में इन दो दिनों में 2746 लोगों का कोरोना टेस्ट किया, इनमें सोमवार सुबह 36 टेस्ट पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी जेजे अस्पताल की टीम ने दी है। इन सभी 36 लोगों को विधान भवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की संख्या पिछले एक सप्ताह में तेजी से बढ़ रही है। रविवार को महाराष्ट्र में 11141 कोरोना संक्रमित पाए गए। पिछले सप्ताह राज्य में 50 हजार से अधिक कोरोना संक्रमित पाए गए इसलिए राज्य सरकार ने प्रशासन को कोरोना नियमावली का कठोरता से पालन करने का निर्देश दिया है।

संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के उल्लेखनीय योगदान की चर्चा करते हुए उन्हें संसद में 33 प्रतिशत या उससे भी अधिक आरक्षण देने की मांग की। शून्यकाल के दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर चर्चा के दौरान कांग्रेस की छाया वर्मा ने कहा कि ऐसा माना जाता है कि जहां नारी की पूजा की जाती है वहां देवताओं का निवास होता है लेकिन आज महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महिलाओं ने जमीन से आसमान तक अपना जौहर दिखाया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने महिलाओं को पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण दिया था। महिलाओं को अब लोकसभा और राज्यसभा में आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिये। भारतीय जनता पार्टी की सरोज पांडे ने कहा कि हाल के वर्षों में महिलाएं सशक्त हुयी है और उनको लेकर राजनीति नहीं की जानी चाहिये। वे अपने अधिकारों को लेकर संघर्ष करती रही हैं।

दीदी ने लगातार दूसरे दिन महिला मार्च निकाला: **गुजरात, यूपी में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा इसलिए बंगाल को मोदी-शाह नहीं चाहिए**

बंगाल में दीदी का विमेंस पावर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में TMC प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी (दीदी) ने महिलाओं को साधना शुरू कर दिया है। दीदी ने लगातार दूसरे दिन सोमवार को महिलाओं की पद यात्रा निकालकर वूमन पावर दिखाई। एक दिन पहले भी यानी 7 मार्च को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रैली कर रहे थे, तब ममता ने सिलीगुड़ी में गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि को लेकर महिलाओं के साथ पैदल मार्च किया था। ममता ने अपने गले में जय बांग्ला लिखा पोस्टर लटका रखा था। दीदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोलते हुए कहा, बंगाल को बाहरी गुंडे नहीं चाहिए। केंद्र सरकार गैस का दाम बढ़ाती है, कोविड वैक्सीन को मोदी वैक्सीन कर दिया। देशभर में भाजपा शासित राज्यों गुजरात, उत्तर प्रदेश और बिहार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ा है। गुजरात में महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा अत्याचार होता है। इसलिए हमें मोदी और शाह नहीं चाहिए। चुनाव में बंगाल की जनता इन्हें सबक सिखाएगी। वूमेंस डे के मौके पर साढ़े चार किलोमीटर लम्बी पद यात्रा को ममता ने कोलकाता मार्च नाम दिया। मार्च के जरिए उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों का विरोध किया गया। ममता बनर्जी पिछले 24 घंटे में महिलाओं को लेकर दो मार्च कर चुकी हैं।

पांच विधायक बीजेपी में शामिल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। सोमवार को कुल पांच टीएमसी विधायक बीजेपी में शामिल हो गए। टीएमसी विधायक सोनाली गुहा, दीपेंदु बिस्वास, रवींद्रनाथ भट्टाचार्य, जटू लहिरी और हबीबपुर सीट से टीएमसी उम्मीदवार सरला मुर्मू ने भगवा झंडा थाम लिया। इस दौरान पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप घोष, बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी और मुकुल रॉय मौजूद रहे।

एक दिन देश का नाम नरेंद्र मोदी रखा जाएगा..

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोविड-19 टीकाकरण प्रमाण पत्रों पर प्रधानमंत्री की तस्वीर को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक दिन ऐसा आयेगा जब देश का नाम नरेंद्र मोदी के नाम पर रखा जाएगा। बनर्जी ने एक दिन पहले पीएम मोदी की ओर से लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए गुजरात और बंगाल की तुलना की और गुजरात मॉडल पर सवाल उठाए। ममता ने कहा, प्रधानमंत्री के नाम पर स्टेडियम का नाम रखा गया। कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्रों में उनकी तस्वीरें लगायी गईं। एक दिन आएगा जब समूचा देश उनके नाम पर होगा। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ झूठ और अफवाह फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस बार मतदाता राज्य में सभी 294 निर्वाचन क्षेत्रों में दीदी बनाम भाजपा के मुकाबले का गवाह बनेंगे।

पश्चिम बंगाल में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का भरोसा जताते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, सभी 294 सीटों पर मेरे और भाजपा के बीच मुकाबला है। उन्होंने कहा, वे (भाजपा नेता) केवल चुनाव के दौरान बंगाल आएंगे और अफवाह तथा झूठ फैलाएंगे। वह हमें महिलाओं की सुरक्षा पर सीख दे रहे हैं। भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं की क्या स्थिति है? मोदी के पसंदीदा गुजरात में क्या हालात हैं?

महिलाएं पश्चिम बंगाल में सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं, प्रधानमंत्री के इस दावे को खारिज करते हुए बनर्जी ने कहा, अगर ऐसी बात होती तो वे रात में आजादी से घूम नहीं पातीं। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आदर्श राज्य गुजरात समेत सभी भाजपा शासित राज्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जहां मीडिया की खबरों के मुताबिक पिछले दो साल से हर दिन दुष्कर्म की चार घटनाएं और दो हत्याएं हो रही हैं।

अब चीन का शांति राग

दोस्त हैं दोनों देश, सीमा विवाद विरासत में मिला -चीनी विदेश मंत्री

चीन ने फिर से शांति राग अलापा है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को भारत के साथ दोस्ताना संबंध जताते हुए कहा है कि चीन और भारत को सीमा मुद्दे के हल के लिए एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाना और आपस में संदेह करना छोड़ देना चाहिए। आगे चीन ने कहा है कि दोनों देश को द्विपक्षीय सहयोग को विस्तार करते हुए अनुकूल माहौल बनाना चाहिए। चीनी विदेश मंत्री वांग ने भारत और चीन के बीच खराब संबंध के लिए सीमा विवाद को पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं माना है। वांग ने इसका जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देश मित्र एवं साझेदार हैं। हमें एक दूसरे पर संदेह करना छोड़ देना चाहिए। आगे वांग ने इन संबंधों के लिए इतिहास को जिम्मेदार ठहराया है। बीते साल मई में पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध होने के बाद से भारत और चीन के बीच संबंधों की मौजूदा स्थिति पर अपने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में ये बातें कही। विदेश मंत्री वांग ने एक सवाल के जवाब में कहा कि ये जरूरी है कि दोनों देश अपने विवादों का निपटारा करें और द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करें। उन्होंने कहा, ''सीमा विवाद इतिहास की देन है। ये चीन-भारत संबंध के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं है।'' आगे चीनी विदेश मंत्री ने कहा, ÷कई अहम मुद्दों पर हमारे रूख समान हैं और हम करीबी हैं। चीन और भारत एक दूसरे के मित्र एवं साझेदार हैं। वो एक-दूसरे के लिए खतरा या प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ टेलीफोन पर 75 मिनट तक हुई बातचीत के बाद सीमा मुद्दे पर वांग की यह टिप्पणी आई है। वहीं, शुक्रवार को भारतीय राजदूत विक्रम मिस्री ने चीन के उप विदेश मंत्री लुओ झाओहुई से मुलाकात की थी और पूर्वी लद्दाख के सभी इलाकों से सैनिकों की वापसी प्रकिया पूरी करने की अपील की थी। वांग ने अपनी टिप्पणी में कहा कि विश्व यह उम्मीद करता है कि चीन और भारत, दोनों देश विकासशील देशों के साझा हितों की रक्षा करें और विश्व में बहुध्रुवीय व्यवस्था को मजबूत करें।

सीमा तनाव पर चुप्पी

वांग ने चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के वार्षिक सत्र से अलग संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह जरूरी है कि दोनों पक्ष विवादों का उपयुक्त निपटारा करें और साथ ही सहयोग बढ़ाएं, ताकि मुद्दों के हल के लिए अनुकूल स्थिति बन सके।'' हालांकि, उन्होंने दोनों देशों के बीच 10 दौर की सैन्य स्तर की वार्ता के बाद पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों से सैनिकों के हाल ही में पीछे हटने के विषय पर कुछ नहीं कहा।

दोनों देश मित्र है, प्रतिद्वंद्वी नहीं: चीन

उन्होंने पूर्वी लद्दाख गतिरोध का सीधे तौर पर जिक्र किए बगैर कहा, ''सीमावर्ती क्षेत्र में पिछले साल जो कुछ सही या गलत हुआ, वह स्पष्ट है.. ''वांग ने कहा, ''हम सीमा विवाद वार्ता एवं परामर्श के जरिए हल करने को प्रतिबद्ध हैं। साथ ही, हम अपने संप्रभु अधिकारों की भी रक्षा करने का संकल्प लेते हैं।'' चीन के विदेश मंत्री ने कहा, ''कई अहम मुद्दों पर, हमारे रुख समान हैं या करीबी हैं और समान राष्ट्रीय वास्तविकताओं के चलते ऐसा है, इसलिए चीन और भारत एक दूसरे के मित्र एवं साझेदार हैं, ना कि खतरा या प्रतिद्वंद्वी हैं।'' उन्होंने कहा, ''दोनों देशों को सफल होने के लिए एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने के बजाय एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। हमें एक-दूसरे पर संदेह करने के बजाय सहयोग बढ़ाना चाहिए।

महंगाई पर चर्चा से भाग रही है सरकार: खड़गे

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि आसमान छू रही महंगाई से आदमी परेशान है और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने के लिए कार्यस्थगन प्रस्ताव दिया है लेकिन सरकार ने उसे खारिज कर दिया है। श्री खड़गे ने सोमवार को यहां संसद भवन परिसर के बाहर संवाददाताओं से कहा कि महंगाई चरम पर पहुंच गयी है और कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सदन में चर्चा कराने का सरकार से आग्रह कर रही है लेकिन उनकी इस मांग को ठुकरा दिया गया है। सरकार महंगाई पर चर्चा से भाग रही है।

उनका कहना था कि सदन में उनकी मांग नहीं माने जाने के बावजूद कांग्रेस महंगाई के मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि महंगाई से जनता त्रस्त है और विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सदन में जनता की समस्या को रखना चाहता है लेकिन सरकार ने इस पर चर्चा कराने से मना कर दिया है। विपक्ष देश की बिगड़ती स्थिति को सदन में रखना चाहता है और उससे सरकार को अवगत कराना चाहता है, इसलिए सरकार को कांग्रेस की मांग को स्वीकार करते हुए सदन में महंगाई पर चर्चा कराने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमत आम लोगों की पहुंच से बाहर है। उज्ज्वला योजना के तहत गरीबों को रसोई गैस का सिलेंडर देने की बात करने वाली मोदी सरकार आए दिन रसोई गैस की कीमत बढ़ा रही है जिससे लोगों के घर का बजट बिगड़ रही है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से सभी आवश्यक वस्तुओं के दाम दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं और इस महंगाई को लेकर जनता में आक्रोश है।

बदल गया राज्यसभा की कार्यवाही का समय, सदस्यों की अनुपस्थिति पर नायडू ने जताई हैरानी

नई दिल्ली । राज्यसभा की बैठक मंगलवार से अपने सामान्य समय पर पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगी और शाम छह बजे तक चलेगी। पीठासीन अध्यक्ष वंदना चव्हाण ने सोमवार को राज्यसभा में घोषणा की कि उन्हें सदन को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कल से सदन की बैठक पूर्वाह्न 11 बजे से शाम छह बजे तक चलेगी। उन्होंने कहा कि सभापति एम वेंकैया नायडू ने विभिन्न दलों के सदस्यों की मांग को देखते हुए सदन की बैठक के समय में परिवर्तन के लिए अनुमति दे दी है।

उन्होंने यह भी कहा कि कल से सदन के सदस्य राज्यसभा कक्ष और गैलरी में दूरी बनाते हुए बैठेंगे। उन्होंने कहा कि बैठने की व्यवस्था के बारे में सदस्यों को बाद में जानकारी दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर पिछले सत्र और वर्तमान सत्र के पहले चरण में संसद के दोनों सदनों की बैठक के समय में परिवर्तन किया गया था। दोनों सदनों की बैठक अलग अलग समय पर आहूत की जाती थी। बदली हुई व्यवस्था के तहत सदन के सदस्य लोकसभा एवं राज्यसभा कक्षों के अलावा विभिन्न गैलरी में बैठते थे। बदली हुई व्यवस्था के तहत राज्यसभा की कार्यवाही सुबह नौ बजे से और लोकसभा की कार्यवाही अपराह्न चार बजे से शुरू होती थी।

राज्यसभा में सोमवार को सभापति एम वेंकैया नायडू ने कुछ सदस्यों के दिल्ली में रहते हुए भी सदन में नहीं आने और विभिन्न संसदीय समिति की बैठकों में भाग नहीं लेने पर हैरत जतायी। इसके साथ ही उन्होंने सदस्यों को सदन में अपनी पार्टी के चिन्ह का प्रयोग नहीं करने की नसीहत दी।

बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन नायडू ने कहा कि उच्च सदन में सदस्य विभिन्न तरह की पगड़ी और अंगवस्त्रम पहन कर आते हैं। उन्होंने कहा कि किंतु सदस्यों को अपनी पार्टी के चिन्ह का सदन में प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी सदस्य विशेष को इंगित करते हुए यह बात नहीं कही है।

पंजाब बजट : **छात्रों को स्मार्टफोन, लड़कियों को बस में मुफ्त यात्रा, दोगुनी पेंशन जैसे ऐलान**

कैप्टन की चुनाव पर नजर

नयी दिल्ली। पंजाब की कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार ने अपने कार्यकाल का आखिरी बजट सोमवार को पेश किया। 2022 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने अपने बजट में तमाम वर्गों को लुभाने की कोशिश की है। कोरोना के चलते आर्थिक संकट से जूझती पंजाब सरकार ने इसकी परवाह न करते हुए जहां वृद्धावस्था पेशन 750 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 1500 रुपए की है वहीं किसी भी जाति की विधवाओं और अनुसूचित जाति की लड़कियों की शादी में सरकारी शगुन की राशि 21000 रुपए से बढ़ाकर 51000 रुपए की गई है। बढ़ी हुई पेंशन व शगुन राशि एक जुलाई 2021 से मिलेगी। 60 वर्ष से अधिक की महिलाओं और छात्राओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा की गई है। 12वीं के सरकारी स्कूलों के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई जारी रखने के लिए अगले वित्त वर्ष में 100 करोड़ रुपए के स्मार्ट फोन दिए जाएंगे। 1,68,015 करोड़ रुपए के 2021-22 के बजट में वित्त मंत्री मनप्रीत बादल का जोर कृषि व स्वास्थ्य क्षेत्र पर रहा है। दरअसल किसान आंदोलन के समर्थन का फायदा कांग्रेस को स्थानीय निकाय व नगर पंचायत चुनाव में भारी जीत के रुप में मिला हे और इसी फायदे को आगामी विधानसभा चुनाव में भी अपने पक्ष में भुनाने के लिए सरकार ने बजट में किसानों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है। कैप्टन को भरोसा है कि अगले चुनाव में भी पंजाब में कांग्रेस की ही सरकार बनेगी इसलिए किसानों की कल्याणकारी योजनाओं का अगले तीन साल का रोडमैप बजट में पेश किया गया है। किसानों के मुफ्त बिजली की सुविधा जारी रखते हुए बजट में आगामी वित्त वर्ष के लिए 7180 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू नई दिल्ली में संसद के चल रहे बजट सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए ।

ब्राजील में कोरोना की नई स्ट्रेन का कहर

24 घंटों में 1500 से अधिक मौतें; आंशिक लॉकडाउन लगाया गया

ब्राजील। ब्राजील पर कोरोना वायरस की नई स्ट्रेन का कहर टूट पड़ा है। ब्राजील में इस सप्ताह कोरोना वायरस के चलते मरने वालों के रिकॉर्ड आंकड़े दर्ज किए गए हैं जिसके चलते यहां की स्वास्थ्य सुविधायें बुरी तरह चरमरा गई हैं। ब्राजील में बीते 24 घंटों के दौरान 1500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इससे यहां अस्पतालों की स्थिति भयावह हो गई है।ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि ब्राजील में बीते 24 घंटों में कोरोना से 1555 लोगों की मौत हुई है जिससे इस अफ्रीकी देश में कोरोना का आंकड़ा 2,64,325 पहुंच गया है। इसके साथ ही ब्राजील में एक दिन में कोरोना

संक्रमण के 69,609 नए मामले भी सामने आए जिससे कुल मामलों की संख्या बढ़कर 1 करोड़ 9 लाख 38 हजार 836 हो गई है। कोरोना की मार से बेहाल ब्राजील में हालात और बदतर होते जा रहे हैं। अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं, वैक्सीन लोगों को आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रही है। बीते बुधवार को ब्राजील में 1900 से ज्यादा लोगों ने कोरोना से जान गंवा दी। यह आंकड़ा महामारी के आने के बाद से सबसे ज्यादा है।

साउ पाउलो में आंशिक लॉकडाउन: ब्राजील में कोरोना वायरस की ये नई लहर, नए कोरोना वायरस स्ट्रेन के सामने आने के बाद आई है जो सबसे अधिक तेजी से संक्रमित करता है। इसके बाद से ब्राजील के कई इलाकों में आंशिक लॉकडाउन लगा दिया गया है। नया स्ट्रेन ज्यादा संक्रामक ही नहीं है बल्कि कई ठीक हुए लोग भी इससे दोबारा बीमार हुए हैं। ब्राजील के साउ पाउलो शहर में आंशिक लॉकडाउन लग दिया गया है। बार-रेस्तरां में लोगों के आने पर पाबंदी है।

ब्राजील की जनता राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो की आलोचना कर रही है। इस बीच बोल्सोनारो ने जनता से कहा कि आप लोग कब तक घरों में बैठे रहोगे? कब तक सबकुछ बंद रखेंगे? हमें मौतों का दुख है लेकिन हमें समाधान चाहिए उन्होंने लोगों से कहा कि आंसू बहाना छोड़ें और काम पर जाएं।

इंडोनेशिया में भूकंप के झटके, 5.8 रही तीव्रता

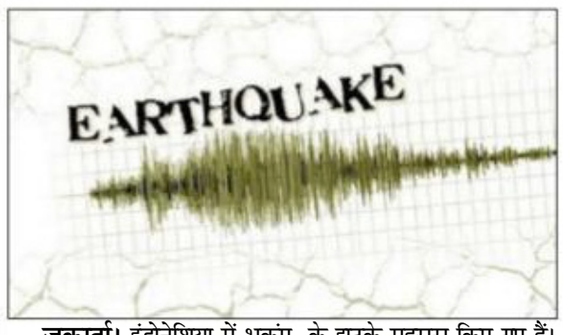

जकार्ता। इंडोनेशिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 रही। पूर्वी प्रांत मलूकूमें यह झटके महसूस किए गए। राहत की बात यह रही कि इन झटकों से अभी किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है। इससे पहले भी यहां पर भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं।

10 फरवरी को महसूस किए गए थे तेज भूकंप के झटके इससे पहले 10 फरवरी, 2021 को इंडोनेशिया में तेज भूकंप के झटके दर्ज किए गए थे। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया था कि रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.2 रही थी। इसका ऋंद सुमात्रा द्वीप के दक्षिण-पश्चिम में स्थित बेंगकुलु प्रांत के बेंगकुलु शहर के दक्षिण दक्षिण-पश्चिम में 217 किलोमीटर दूर बताया गया था। वहीं, इसकी गहराई 10 किलोमीटर तक बताई गई थी। हालांकि, उस वक्त इस भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी नहीं दी गई थी।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालयों में छात्राओं के लिए ड्रेस कोड, पाबंदियों का हो रहा जबर्दस्त विरोध

पेशावर। पाकिस्तान में एक के बाद एक धीरे-धीरे अधिकांश विश्वविद्यालयों में लड़कियों के लिए ड्रेसकोड निर्धारित किए जा रहे हैं। हजारा यूनिवर्सिटी, एबटाबाद और बच्चा खां विश्वविद्यालय, चारसाडा के बाद पेशावर यूनिवर्सिटी ने भी लड़कियों के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया है। यही नहीं यहां पर शिक्षिकाओं को भी निर्धारित ड्रेस में ही आना होगा। कोई भी शिक्षिका और छात्राएं बगैर ड्रेस कोड के नहीं आ सकेंगी। ऐसी पाबंदियों के खिलाफ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विश्वविद्यालयों में जबर्दस्त विरोध किया गया था। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के दो विश्वविद्यालयों के छात्र ड्रेस कोड के खिलाफ बोल रहे हैं।

चार विश्वविद्यालयों में व्यवस्था लागूनए ड्रेस कोड में महिलाओं को जींस और मेकअप कर आने रोक लगाई गई हैं, वहीं पुरुषों को बालियां, फटी जींस या शॉर्ट्स नहीं पहनने पर जोर दिया गया। पेशावर में लड़कियों को सफेद रंग के सलवार सूट में आना अनिवार्य किया गया है। अब तक यहां पर चार विश्वविद्यालयों में यह व्यवस्था लागू हो गई है। इन स्थानों पर लड़कियों को चुस्त कपड़े पहनने पर पाबंदी लगाई गई है। कुछ विश्वविद्यालयों में छात्राओं और शिक्षिकाओं को कानों में कुंडल और हाथ में कड़ा पहनने पर भी रोक लगाई गई है। विश्वविद्यालयों में ऐसे फरमान जारी होने पर इंटरनेट मीडिया पर खूब आलोचना हो रही है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बच्चा खां विश्वविद्यालय की छात्रा हिना ने बताया कि विश्वविद्यालय में आने वाला हर कोई एक परिपक्व वयस्क है। अगर हमारे परिवार के पास कोई दिक?कत नहीं है कि हम कैसे कपड़े पहनते हैं, तो विश्वविद्यालय को हमें पहनने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है।

मानसिक दिक्कतों से पीड़ित हो सकते हैं कोरोना से ठीक हुए मरीज, एक नए अध्ययन से चला पता

वाशिंगटन। एक नए अध्ययन के मुताबिक कोरोना से ठीक होने वाले लोगों को न्यूरोसाइकाइट्रिक डिजीज और मानसिक दिक्कतों से जूझना पड़ सकता है। जर्नल 'फ्रंटियर इन साइकोलॉजी' में यह शोध प्रकाशित हुआ है। शोध करने वाली टीम में भारतीय मूल का एक विज्ञानी भी शामिल है। अध्ययन से पता चलता है कि 95 फीसद ऐसे लोग जो बीमारी से पहले मानसिक तौर पर पूरी तरह ठीक थे, वह संक्रमण से ठीक होने के बाद पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) से प्रभावित थे।

ठीक होने के बाद अवसाद संबंधी समस्याओं से ग्रस्त थे 42 फीसद मरीजअन्य अध्ययनों का विश्लेषण करने से यह भी पता चला कि 17-42 फीसद मरीज संक्रमण से ठीक होने के बाद अवसाद संबंधी समस्याओं से ग्रस्त थे। ऑक्सफोर्ड ब्रूक्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता संजय कुमार ने कहा, कोरोना से होने वाली न्यूरोसाइकाइट्रिक और मानसिक दिक्कतों को समझना महत्वपूर्ण है, क्योंकि करोड़ों लोग जहां इसकी चपेट में है वहीं अभी भी लाखों लोगों में इसकी पहचान नहीं की जा सकी है।

ऐसे मरीजों की संख्या होती है लगभग 44 फीसद

संजय कुमार ने कहा कि इन परिस्थितियों से ना केवल लोगों की काम करने की शैली प्रभावित हुई है बल्कि उनके घरों का वित्तीय प्रबंधन भी चौपट हुआ है। पारिवारिक मामलों में फैसला लेने की उनकी प्रक्रिया पर असर पड़ा है। लंबी अवधि की बात करें तो न्यूरोसाइकाइट्रिक दिक्कतों से लोगों में डिसऑर्डर के साथ-साथ थकान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसे मरीजों की संख्या लगभग 44 फीसद होती है। याददाश्त संबंधी दिक्कतें 25 से 50 फीसद मरीजों में देखने को मिलती हैं।शोधकर्ताओं ने 200 से ज्यादा मरीजों पर अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला है। गंभीर से लेकर हल्के लक्षणों वाले कोरोना रोगियों को अध्ययन में शामिल किया गया था।

अमेरिकी सीनेट ने 1.9 ट्रलियन डॉलर कोरोना राहत पैकेज को दी मंजूरी, मार्च से नागरिकों को मिलने लगेगा भुगतान

वाशिंगटन। दुनिया इस वक्त कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। ज्यादातर देशों में इस संक्रमण से बचने के लिए टीकाकरण अभियान भी शुरू हो चुका है।

अमेरिका में भी टीकाकरण अभियान चल रहा है। बता दें कि दुनिया का सबसे ज्यादा शक्तिशाली देश यानी अमेरिका सबसे ज्यादा संक्रमित देश है। इस क्रम में बाइडन प्रशासन भी अलर्ट है और सभी जरूरी उपाय कर रहे हैं।

अमेरिकी सीनेट ने कोरोना वायरस की मार से उबरने के लिए शनिवार को 1,900 अरब डॉलर के राहत पैकेज को मंजूरी दे दी है। इसे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके डेमोक्रेटिक सहयोगियों की जीत माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने शनिवार

(स्थानीय समय) पर घोषणा की कि मार्च से अब तक 1,400 अमेरिकी कोरोनोवायरस प्रोत्साहन चेक वितरित किए जाएंगे। बता दें कि इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले साल दो प्रोत्साहन चेक पारित किए। जिसमें एक 1,200 अमरीकी डालर के लिए और दूसरा 600 अमरीकी डालर में चैक थे।रिपोर्ट की माने तो अब इस विधेयक को अगले सप्ताह मंजूरी के लिए प्रतिनिधि सभा भेजा जाएगा, जिसके बाद इसे बाइडन के पास उनके हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा।। सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के 50-50 सदस्य हैं और किसी विधेयक के पक्ष या विपक्ष में बराबर मत पड़ने पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पास निर्णायक वोट देने का अधिकार है। ऐसे में इस विधेयक को पारित कराना बाइडन और डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एक अहम राजनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है।

अमेरिका के तीस हजार से ज्यादा संगठनों पर साइबर हमले

वाशिंगटन। साइबर हमलों से अमेरिका को निजात नहीं मिल पा रही है। एक बार फिर अमेरिका में व्यापक पैमाने पर हैकरों ने हमला किया है। इन हमलों का शिकार अमेरिका के लगभग तीस हजार संगठनो को बनाया है। इसमें सरकारी संगठनों के साथ ही वाणिज्यिक संस्थान भी हैं। ये हमले चीन में बैठे हैकरों ने किए हैं।

क्रेब्स ऑन सिक्योरिटी के अनुसार चीन स्थित एस्पिनेज ग्रुप ने इस बार हमलों के लिए माइक्रोसॉफ्ट के एक्सचेंज सर्वर ईमेल सॉफ्टवेयर की चार कमजोरियों का फायदा उठाया। जिसके माध्यम से वह हजारों संगठनों के नेटवर्क में घुस गया और नुकसान पहुंचाया। उसने सिस्टम में पहुंचकर मॉलवेयर डाल दिए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने अभी यह नहीं बताया कि इस हमले से कितना नुकसान हुआ है। जानकारी मिली है कि तीस हजार से भी ज्यादा संगठन इन हैकरों का शिकार हो गए हैं। क्रेब्स ऑन सिक्योरिटी के अनुसार अमेरिका के दो साइबर विशेषज्ञों ने हमलों की जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों को दी है। माइक्रोसॉफ्ट ने एक्सचेंज सर्वर की कमजोरी दूर करने के लिए तत्काल कई सुरक्षा अपडेट्स जारी किए हैं और इन सभी को इंस्टॉल करने के लिए कहा है।

उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी थी कि चीन के हैकर प्रारंभिक तौर पर एक्सचेंज सर्वर पर हमला कर रहे हैं। इन्हे हेफनियम नाम दिया गया था और चीन से ही संचालित बताए गए थे। हैकर गोपनीय जानकारी हासिल करने के लिए शोधार्थियों, लॉ फर्म, उच्च शिक्षण संस्थान, सेना के ठेकेदारों, पॉलिसी थिंकटैंक और एनजीओ को निशाना बना रहे हैं।

सोमालिया बम धमाके में अब तक 20 लोगों की मौत, 30 से ज्यादा घायल; इस संगठन ने ली हमले की जिम्मेदारी

सोमालिया। अफ्रीकी देश सोमालिया में एक कार बम धमाके की खबर सामने आई है। जिसमें अभी तक 20 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 30 लोग घायल बताए जा रहे हैं। राजधानी मोगादिशू में एक लोकप्रिय रेस्त्रां पर बम हमला हुआ था। सोमाली नेशनल न्यूज एजेंसी ने आमिन एंबुलेंस सर्विस के हवाले से मृतकों की संख्या बताई है।

अल-शबद चरमपंथी संगठन ने जिम्मेदारी ने ली जिम्मेदारी हमले के पीछे एक स्थानीय चरमपंथी संगठन का हाथ बताया जा रहा है। इस हमले के लिए स्थानीय अल-शबद चरमपंथी संगठन ने जिम्मेदारी ली, जिसका संबंध अलकायदा से है। बता दें कि अल-शबद अक्सर बमबारी करके मोगादिशू को निशाना बनाता रहता है। शुक्रवार दोपहर विस्फोटकों से भरा एक वाहन लुल यमनी रेस्त्रां में घुस गया था। इस धमाके से आसपास के मकान भी ध्वस्त हो गए हैं। बता दें कि बीते साल भी इस रेस्त्रां पर हमला किया गया था।

ब्राजील में कोरोना की नई स्ट्रेन का कहर, 24 घंटों में 1500 से अधिक मौतें; आंशिक लॉकडाउन लगाया गया

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद चुनाव में देरी को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा शनिवार को किया जाने वाला प्रदर्शन भी स्थगित कर दिया गया है। यहां की सराकर ने इसके पीछे संयुक्त अरब अमीरात को जिम्मेदार ठहराया था। इस देश के विदेश मंत्रालय ने बाहरी ताकतों पर समस्याएं बढ़ाने का आरोप लगाया था। बता दें कि सोमालिया में में आठ फरवरी को चुनाव होना था, लेकिन उस दिन मतदान नहीं हो सका। फिलहाल इस बात पर कोई सहमति नहीं बन सकी थी कि चुनाव कैसे कराया जाए? इसे लेकर देश में हिंसा भी हुई थी, जिसमें कम से कम पांच

सैनिक मारे गए थे और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए थे।

उधर, भारत ने सोमालिया में चुनाव कराने को लेकर जारी राजनीतिक गतिरोध को निराशाजनक बताया था। साथ ही कहा था कि यह देरी अल-शबाब और अन्य सशस्त्र समूहों को पनपने और उन्हें अपने आतंकवादी कृत्य जारी रखने का मौका देगा, जो लोकतंत्र के माध्यम से हासिल की गई प्रगति के लिए खतरा साबित हो सकती है।

पाक को महंगी पड़ी चीन की यारी, भारत के विमानों के आगे नहीं ठहरा उसका जेएफ-17, ड्रैगन ने दिया झटका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को चीन से यारी अब महंगी पड़ती नजर आ रही है। चीन के सहयोग से पाकिस्तान में विकसित जेएफ-17 थंडर युद्धक विमान अब उसके लिए बोझ बन गया है। पाक को पहले यह उम्मीद थी कि उसके आका के सहयोग से निर्मित इस विमान को भारत की वायुसेना के मुकाबले तैनात किया जाएगा। पाकिस्तान और चीन ने 1999 में एक समझौता करते हुए जेएफ-17 विमान की परियोजना शुरू की थी।

इस योजना का मकसद इन विमानों का बेड़ा भारत खिलाफ लड़ने के लिये तैयार करना था। इन युद्धक विमानों के भारत से मुकाबले का मौका आया 27 फरवरी, 2019 में, जब भारत ने पाकिस्तान के आंतकवादी ठिकानों पर हमला किया और उस समय भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 के मुकाबले ये विमान कहीं भी नहीं ठहरे। भारतीय विमानों के सामने ये विमान भागते नजर आए। इन विमानों की पाकिस्तान पर संकट के समय उपयोगिता जरा भी सिद्ध नहीं हो सकी।युद्ध के समय सेवाओं के मामले में सबसे पीछे

रहने वाले विमानों के रखरखाव और ऑपरेशनों पर भी ज्यादा खर्च आ रहा है। समाचार एजेंसी एएनआइ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आधुनिक हथियार प्रणालियों की तुलना में इन विमानों के रखरखाव पर ज्यादा लागत आ रही है। ऐसी स्थिति में पाक और चीन की संयुक्त रूप से बनाई गई यह योजना पाकिस्तान के लिए अच्छा-खासा परेशानी और खर्चे वाली बन गई है।

इसकी तकनीक को उन्नत करने के लिए चीन ने पुर्जे देने की कीमत भी बढ़ा दी है। पेंटापोस्टाग्मा की एक रिपोर्ट के मुताबिक विमान की क्षमता का आकलन एविओनिक्स, हथियारों और इंजन से किया जाता है। पाया गया है कि जेएफ -17 ज्यादातर क्षेत्रों में निशाना बनाने में विफल रहता है। यही नहीं इन विमानों में प्रभावी बीवीआर या एयरबोर्न इंटरसेप्शन रडार भी नहीं है।

चीन दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत : समुद्र में अब चीन सबसे ताकतवर

बीजिंग। अमेरिका को पीछे छोड़कर चीन दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन गया है। अभी चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल हैं, उतनी तो अमेरिका के पास भी नहीं है। हालांकि, इतने हथियारों के बावजूद उनकी युद्धक क्षमता दुनिया के कई देशों से कम है। एक अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कुछ साल पहले अपनी नौसेना को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाने का संकल्प लिया था।साल 2018 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी ने दक्षिण चीन सागर में अपनी सामरिक ताकत का प्रदर्शन किया था। इसमें एक साथ 48 युद्धपोत, दर्जनों लड़ाकू विमान और 10,000 से अधिक नौसैनिक शामिल हुए थे। यूएस ऑफिस ऑफ नेवल इंटेलीजेंस के मुताबिक, 2020 तक समुद्र में चीन ने 360 से ज्यादा युद्धपोतों की तैनाती कर चुका है, जो उसे सबसे ताकतवर समुद्री ताकत बनाता है। अमेरिकन नेवी का ये खुलासा पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। क्योंकि, चीन जिस तरीके से रक्षा क्षेत्र में खर्च कर रहा है और उसकी विस्तारवादी नीति आने वाले वक्त में विश्व को युद्ध में धकेल सकती है। यूएस नेवल वार कॉलेज में चीन मेरीटाइम स्टडीज बढ़ाने वाले एंड्रयू इरिक्शन ने लिखा है कि चीन ने नेवल शिपयार्ड को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि जो भी जहाज बनेगा वो सबसे अच्छा बनना चाहिए। चीन पहले से ही जहाज निर्माण की कला में पारंगत था। साल 2015 में चीनी नौसेना ने अपनी ताकत को अमेरिकी नौसेना के बराबर करने के लिए व्यापक मुहिम चलाई थी। चीन को आगे देख अमेरिकी नेवी आने वाले वक्त में अपने युद्धपोतों की संख्या 297 से 355 के बीच करने की योजना में जुट गया है।

संसद में इमरान खान के विश्वासमत हासिल करने के बाद मरियम गरजीं, कहा- पीएम के रूप में इमरान के दिन अब गिने-चुने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को विपक्षी दलों के बहिष्कार के आह्वान के बीच नेशनल असेंबली (संसद) में विश्वासमत हासिल करने के बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की नेता मरयम नवाज ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में इमरान के दिन अब गिने-चुने हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ समय की बात है कि वे कब जाएंगे। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि सीनेट की सीट के चुनाव में हार से इमरान बेनकाब हो गए हैं। विश्वासमत का अब कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि हम जीत चुके हैं और बदलाव का समय आ गया है। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के निर्देश पर बुलाए ए विशेष सत्र में विपक्ष ने नहीं लिया हिस्सापाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने विपक्षी दलों के बहिष्कार के आह्वान के बीच नेशनल असेंबली (संसद) में विश्वासमत हासिल कर लिया। इमरान को 342 सदस्यीय निचले सदन में 178 वोट मिले। सामान्य बहुमत के लिए 172 वोट की आवश्यकता थी। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के निर्देश पर बुलाए गए विशेष सत्र में विपक्ष ने हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि 11 दलों के गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) ने मत विभाजन का बहिष्कार किया था। बता दें कि पीडीएम के उम्मीदवार और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी ने बुधवार को सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के उम्मीदवार अब्दुल हाफिज शेख को सीनेट चुनाव में हरा दिया था। खान के लिए

यह बड़ा झटका था, जिन्होंने शेख के लिए खुद प्रचार किया था। सरकार पर संकट आने के साथ ही वित्त मंत्री की हार के बाद विपक्षी दलों ने खान के इस्तीफे की मांग की थी।

स्पीकर असद कैसर ने की परिणामों की घोषणा

संसद के स्पीकर असद कैसर ने परिणामों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में हुए आम चुनावों में पीएम को 176 सांसदों का समर्थन हासिल था जबकि आज हुई वोटिंग में उन्हें 178 सांसदों का साथ मिला है। दरअसल, सत्तारूढ़ गठबंधन के 181 सदस्य थे, लेकिन एक सांसद के इस्तीफे के बाद यह संख्या घटकर 180 रह गई। विपक्षी गठबंधन की बात करें तो उसके 160 सांसद हैं। जबकि एक सीट खाली है। पाकिस्तान के डॉन न्यूज के मुताबिक 156 में से 155 पीटीआइ सांसदों ने प्रधानमंत्री के पक्ष में मतदान किया। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के सात, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (पीएमएल-क्यू) के पांच और बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) के तीन, ग्रैंड डेमोक्रेटिक एलायंस (जीडीए) के तीन और आवामी मुस्लिम लीग और जम्हूरी वतन पार्टी के एक-एक सांसद ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। निर्दलीय उम्मीदवार असलम भोटानी ने भी खान के पक्ष में मतदान किया।

विश्वास मत हासिल करने के बाद 68 वर्षीय क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान ने पार्टी सांसदों और सहयोगियों को धन्यवाद दिया। इमरान ने देश की सभी मौजूदा समस्याओं के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी), पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पिछली दो सरकारों के कुशासन और कुप्रबंधन के चलते देश समस्याओं से जूझ रहा है। खान ने विपक्षी नेताओं विशेष रूप से पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता और उनकी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश के लिए भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के इतिहास का सबसे काला दशक था।

इमरान बोले, ईवीएम से कराएंगे चुनाव

खान ने चुनाव में पूर्ण पारदर्शिता सुनिर्शि्चित करने के लिए चुनाव सुधार कार्यक्रम लाने की घोषणा की। पारदर्शी चुनाव कराने के लिए उन्होंने इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन का भी प्रयोग करने की बात कही। इमरान ने एक बार फिर आरोप लगाया है कि सीनेट चुनाव के दौरान आयोग वोटों की खरीद-फरोख्त रोकने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि उन्हें अच्छी तरह से पता था कि वोट खरीदे जा रहे हैं, लेकिन आयोग ने इसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

सीमावर्ती गांवों के मार्गो पर पुलिस ने की घेराबंदी, किसान की आत्महत्या पर आक्रोश

बाहरी दिल्ली। कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान गणतंत्र दिवस को राजधानी में किए गए उपद्रव के बाद पुलिस पूरी तरह से सतर्क दिख रही है। सिंघु बार्डर पर सुरक्षा व्यवस्था को जहां पहले की तुलना में कड़ी कर दी गई है, वहीं पुलिस प्रदर्शनकारियों पर लगातार निगाह रख रही है। ऐसे में पुलिस ने रविवार को सीमावर्ती गांवों के उन मार्गो पर भी बैरिकेडिंग कर दी, जिनसे होकर प्रदर्शनकारी ट्रैक्टर लेकर सिंघु बार्डर तक पहुंचते रहे हैं। पंजाब के अमृतसर से छह मार्च को चला प्रदर्शनकारियों का एक जत्था ट्रैक्टरों के साथ पहुंचने वाला है। इस कारण सिंघु गांव, हरेवली व मुंगेशपुर आदि गांवों में यह घेराबंदी की गई है, ताकि प्रदर्शनकारी दिल्ली की सीमा में घुस न सकें। हालांकि देर शाम तक प्रदर्शनकारियों का जत्था सीमावर्ती क्षेत्रों में नहीं पहुंच सका था, लेकिन पुलिस पहले से ही एहतियात बरत रही है। मार्गो पर पुलिस ने सीमेंट के बैरिकेड लगाकर इस तरह से घेराबंदी की है कि केवल दोपहिया वाहन की ही आवाजाही हो पा रही है। यही कारण रहा कि रविवार को कई चार पहिया वाहनों को सिंघु गांव से लौटते देखा गया। ऐसे वाहन चालक सिंघु बार्डर पर धरना दे रहे आंदोलनकारियों को कोस रहे थे। उधर आंदोलन में आए हिसार के सिसाय के किसान राजबीर द्वारा फंदा लगाकर आत्महत्या करने की घटना से आक्रोशित आंदोलनकारियों द्वारा रविवार सुबह बहादुरगढ़ बाईपास पर करीब एक घंटे तक सड़क पर शव रखकर जाम लगाया गया। फंदे से उतारकर शव को जब स्ट्रेचर पर एंबुलेंस की तरफ लाया गया तो किसान सीधे ही उसे बाईपास की खुली लेन पर ले आए। मगर आंदोलनकारियों में आक्रोश था। घंटे भर बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए यहां से भेजा गया।

रिहाई के लिए ओम प्रकाश चौटाला पहुंचे दिल्ली हाई कोर्ट

अधिसूचना के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र पार कर चुके पुरुष, 70 फीसदी वाले दिव्यांग व बच्चे अगर अपनी आधी सजा काट चुके हैं तो राज्य सरकार उसकी रिहाई पर विचार कर सकती है।

नई दिल्ली।

हरियाणा में हुए शिक्षक भर्ती घोटाले में तिहाड़ जेल में सजा काट रहे पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा रिहाई की मांग को लेकर दायर याचिका पर सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने इस मुद्दे पर दिल्ली सरकार को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इससे पहलेअधिवक्ता अमित साहनी के माध्यम से याचिका दयार कर ओपी चौटाला ने कहा है कि उनकी रिहाई के संबंध में हाई कोर्ट ने नवंबर 2019 एवं फरवरी 2020 में दिल्ली सरकार को उचित फैसला लेना का निर्देश दिया था। हालांकि, अब तक इस पर कोई फैसला नहीं हो सका है। ओम प्रकाश चौटाला ने अपनी उम्र और दिव्यांगता के आधार पर जेल से रिहाई की मांग की गई है। इससे पहले दायर याचिका में ओम प्रकाश चौटाला ने केंद्र सरकार के 18 जुलाई 2018 की अधिसूचना का हवाला दिया था। अधिसूचना के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र पार कर चुके पुरुष, 70 फीसदी वाले दिव्यांग व बच्चे अगर अपनी आधी सजा काट चुके हैं तो राज्य सरकार उसकी रिहाई पर विचार कर सकती है। याचिका में ओम प्रकाश चौटाला ने कहा था कि उनकी उम्र 86 साल की हो गई है और भ्रष्टाचार के मामले में वे सात साल की सजा काट चुके हैं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि वह अप्रैल 2013 में 60 फीसदी दिव्यांग हो चुके थे और जून 2013 में पेशमेकर लगाए जाने के बाद से वह 70 फीसदी से ज्यादा दिव्यांग हो चुके हैं। इस तरह से वे केंद्र सरकार के जल्दी रिहाई की सभी शर्तों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, दिल्ली सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि यह भ्रष्टाचार का मामला है और भारत सरकार की अधिसूचना इस पर लागू नहीं होती। वहीं, ओम प्रकाश चौटाला ने दलील दी थी कि उन्हें रिहा किया जाना चाहिए क्योंकि भ्रष्टाचार के मामले में उनकी सात साल की सजा पूरी हो चुकी है। वर्ष 2000 के 3206 शिक्षक भर्ती मामले में विशेष सीबीआइ अदालत ने वर्ष 2013 में ओपी चौटाला, उनके बेटे अजय चौटाला समेत 53 लोगों के खिलाफ सजा सुनाई थी। इसमें तत्कालीन प्राथमिक शिक्षा के निदेशक आइएएस अधिकारी संजीव कुमार भी शामिल थे।

पूरा परिवार संक्रमित, फिर भी कर्तव्य निभाती रहीं प्रमिला फोगाट

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के कैंसर विभाग में तैनात नर्सिंग अधिकारी प्रमिला फोगाट ने कोरोना संकट के दौरान भी मरीजों की बढ़-चढ़कर सेवा की। वह फरीदाबाद में परिवार के साथ रहती हैं और एम्स में ड्यूटी के लिए आती हैं। प्रमिला और उनके पति दोनों कोरोना संक्रमित हो गए थे।

यही नहीं परिवार के कई सदस्यों के संक्रमित होने के बाद भी जैसे ही उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई वह ड्यूटी पर वापस आ गईं। प्रमिला फोगाट 10 सालों से एम्स में कार्यरत हैं। कोरोना काल में जिस समय अस्पतालों में सिर्फ कोविड मरीजों का इलाज चल रहा था। उस दौरान भी वह कैंसर के मरीजों की सेवा में जुटी हुई थीं।

रोजाना आठ से 10 घंटे काम करने के बाद घर जातीं और अगले दिन फिर अस्पताल में अपने कार्य में लग जातीं। इस दौरान वह कोरोना से संक्रमित हुईं और पूरा परिवार भी संक्रमण की चपेट में आया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और मरीजों के इलाज में जुटी रहीं। प्रमिला ने बताया कि जून में वह कोरोना से संक्रमित हुई थीं। उनके पति और बच्चों समेत परिवार के अन्य सदस्य भी संक्रमित हो गए थे। वह समय काफी चुनौतीपूर्ण था। पूरा परिवार बीमारी की गिरफ्त में था।

ऐसे में मन में काफी डर बन गया था। परिवार के सभी सदस्य कई दिनों तक आइसोलेशन में रहे। उन्हें हमेशा अपने बच्चों की चिंता रहती थी, लेकिन अपने कर्तव्य के आगे उन्होंने घर को कम प्राथमिकता दी और मरीजों के इलाज में जुटी रहीं। फोगाट ने बताया कि वह महिलाओं को स्तन कैंसर के बारे में जागरूक करती हैं। साथ ही हर छह माह में रक्तदान भी करती हैं।

मकान में लगी आग, दमकल कर्मियों ने डेढ़ घंटे में पाया काबू

नई दिल्ली। सदर बाजार के गली पहाड़ वाली स्थित एक तीन मंजिला मकान में रविवार की शाम आग लग गई। आग प्रथम मंजिल से शुरू हुई थी। लिहाजा उपर के तल पर रह रहे सात लोग आग में फंस गए। दमकल कर्मियों ने फंसे लोगों को बाहर निकाला। वहीं, दमकल की नौ गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में आग को काबू में किया। आग से घर में रखा फर्नीचर और अन्य सामान जलकर राख हो गए।

हालांकि आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। सदर बाजार थाना पुलिस फिलाहल आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। दमकल अधिकारी ने बताया कि विभाग को आग के संबंध में रविवार शाम 6.30 बजे सूचना मिली थी। फोन करने वाले ने बताया था कि गली पहाड़ वाली के अहाता कैदारा स्थिति एक मकान में आग लग गई है।

इसकी सूचना पर तुरंत मौके पर दमकल की नौ गाड़ियां भेजी गई। 80 गज में बने तीन मंजिला मकान में तीन परिवार रहते हैं। वहां पहुचंने पर दमकल कर्मियों को पता चला कि आग पहली मंजिल से शुरू हुई थी। लिहाजा भूतल पर रहने वाले लोग तो घरों से निकल गए थे। लेकिन दूसरी मंजिल पर रहने वाले परिवार के सात लोग आग में फंस गए थे। दमकल कर्मियों ने पुलिस की मदद से उन लोगों को सुरक्षित निकाला। वहीं रात करीब आठ बजे आग को बुझाया जा सका।

बीटेक के बाद आइएम से जुड़ा आरिज, दिल्ली समेत कई राज्यों में करवाए बम धमाके

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली स्थित साकेत कोर्ट ने सोमवार को अहम फैसले में बटला हाउस एनकाउंटर में इंडियन मुजाहिदीन के आतंकी आरिज़ खान को दोषी करार दिया है। अब 15 मार्च को उसकी सज़ा पर फैसला होगा। इसी मामले में 2013 में शहजाद अहमद को सज़ा हो चुकी है, जबकि दोनों बटला हाउस एनकाउंटर के बीच भाग गए थे। इसके साथ इनके 3 साथी आतिफ आमीन, मोहम्मद सैफ और मोहम्मद साजिद मारे गए थे। इस दौरान दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर मोहनचंद शर्मा शहीद हो गए थे और 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। आरिज़ खान दरअसल, 2008 में दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद और यूपी की अदालतों में हुए धमाकों का मुख्य साज़िशकर्ता था। इन धमाकों में कुल 165 लोग मारे गए थे और 535 लोग घायल हो गए थे। जामिया नगर के बाटला हाउस इलाके में 13 सितंबर, 2008 को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और एक घर में रुके इंडियन मुजाहिदीन (आइएम) के आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में आइएम के तीन आतंकी आतिफ अमीन और मोहम्मद साजिद मारे गए थे, जबकि मोहम्मद सैफ मौके से पकड़ा गया था। इस मुठभेड़ के बीच दो अन्य आतंकी शहजाद अहमद और आरिज खान पुलिस पर फायरिंग करते हुए फरार हो गए थे। इस एनकाउंटर में दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर मोहनचंद शर्मा शहीद हुए थे और दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हुए थे।इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा की हत्या के मामले में शहजाद अहमद को वर्ष

रियाज़ ने ही उसे इंडियन मुजाहिदीन को दोबारा खड़ा करने के लिए सऊदी अरब बुलाया था। इसके लिए वह 2014 में सऊदी अरब भी गया और वहां एक मजदूर बनकर सिमी और आइएम के लोगों से मिलता रहा।

2013 में सजा हो चुकी है। एनकाउंटर के दस साल बाद फरवरी, 2018 में स्पेशल सेल की टीम ने आरिज खान को नेपाल और भारत की सीमा से गिरफ्तार किया था। इतने सारे गंभीर आरोपों में आरिज खान का सुराग देने पर दिल्ली पुलिस ने तब इस पर 15 लाख रुपये का इनाम था। इतना ही नहीं, आरिज के खिलाफ इंटरपोल के जरिये रेड कॉर्नर नोटिस निकला हुआ था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आरिज खान उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का रहने वाला है। आरिज़ खान उर्फ जुनैद को स्पेशल सेल की टीम ने फरवरी 2018 में गिरफ्तार किया। इसके पकड़े जाने से इंडियन मुजाहिदीन को दोबारा खड़ा करने के मंसूबे ध्वस्त हो गए थे। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को पता चला था कि प्रतिबंधित संगठन सिमी और इंडियन मुजाहिदीन के लोग नेपाल से युवाओं को देश मे अवैध गतिविधियों के लिए तैयार कर रहे हैं। इसके बाद सिमी से जुड़े अब्दुल सुहान उर्फ तौकीर को जनवरी 2018 में गिरफ्तार किया गया। तौकीर ने आरिज़ खान के बारे में कई अहम जानकारियां दीं थीं। इसी जानकारी के बाद पता चला कि आरिज़ खान 13 फरवरी 2018 को भारत नेपाल सीमा के बनबसा बॉर्डर से अपने किसी साथी से मिलने यूपी आने वाला है, इसी सूचना पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कही बड़ी बात, देश में अब समाप्ति की ओर है कोरोना महामारी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि कोविड-19 महामारी अब समाप्ति की ओर है। देश में टीके की कोई कमी नहीं है। भारत अपने लोगों के साथ ही दुनिया के अन्य देशों को टीका देने में पूरी तरह सक्षम है। टीकाकरण को लेकर किसी तरह की राजनीति नहीं की जानी चाहिए, बल्कि देश के लोगों की सुरक्षा के लिए सभी इसमें सहयोग करें। डॉ. हर्षवर्धन रविवार को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) और धर्मशिला नारायण अस्पताल के सहयोग से आयोजित दिल्ली राज्य मेडिकल कांफ्रेंस (मेडिकान-2021) के 62वें वार्षिक दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डीएमए ने इस अवसर पर कोविड-19 के दौरान उल्लेखनीय सेवा और उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. हर्षवर्धन को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि दो करोड़ से अधिक लाभार्थियों को अब तक टीका लगाया जा चुका है।

देह व्यापार से जुड़ीं महिलाओं को मिली उम्मीद की 'किरण', जीबी रोड के चंगुल में फंसी कई युवतियों को मिली नई जिंदगी

नई दिल्ली। मजबूरी महिलाओं को देह व्यापार की गंदी दुनिया में खींच लाती है। एक बार इस दलदल में फंस जाने के बाद बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। दिल्ली के रेड लाइट एरिया जीबी रोड की कई महिलाएं देह व्यापार से मुक्ति पाना चाहती हैं। लॉकडाउन के दौरान इनकी आर्थिक स्थिति और भी दयनीय हो गई थी। इस बीच दिल्ली पुलिस की सब इंस्पेक्टर किरण सेठी उनके लिए उजाला बनकर आईं। किरण ने इन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। प्रारंभ में इन महिलाओं को दीपक, मोमबत्ती, कागज व कपड़े के बैग बनाने का हुनर सिखाया। वहीं, उन्होंने इनके स्वावलंबन के लिए खादी ग्रामोद्योग को पत्र लिखा, ताकि जूट की सामग्री, अगरबत्ती सहित हैंडीक्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया जा सके। वहीं, मां की अतीत का असर बच्चों पर न पड़े इसके लिए किरण उनके बच्चों को कोठे से अलग रख पढ़ाने की व्यवस्था भी कर रही हैं।

किरण ने बताया कि एक उम्र के बाद देह व्यापार से जुड़ीं महिलाओं के सामने जीवन यापन की गंभीर समस्या आ खड़ी होती है। इससे वे अपराध की दुनिया में भी कदम रख देती हैं।

इसे देखते हुए उन्होंने इनके स्वावलंबन का प्रयास किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बात कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू करवाया। ऐसी 1500 महिलाओं को दीपक, मोमबत्ती सहित पेपर और कपड़े के बैग बनाने का प्रशिक्षण दिए जाने के साथ ही उनके द्वारा बनाए गए सामान की मार्केटिंग का भी प्रबंध किया गया। अब कोठे की कई युवतियां कंपनियों में काम करने लगी हैं। लेडी सिंघम के नाम से चर्चित किरण सेठी वर्ष 1987 में दिल्ली पुलिस में बतौर कांस्टेबल नियुक्त हुई थीं। स्कूल के समय उन्होंने जूडो-कराटे सीखना शुरू किया था, लेकिन गुरु शिव कुमार कोहली के दिशानिर्देश में उन्होंने इसे जीवन का मकसद बना लिया। वह जूडो -कराटे में ब्लैक बेल्ट सेकंड डान हैं और ताइक्वांडो भी जानती हैं। आत्मरक्षा प्रशिक्षण के सबसे बड़े प्रदर्शन के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है।

कपड़ा व्यापारी से रंगदारी मांगने वाला बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। शाहदरा इलाके के कपड़ा व्यापारी से रंगदारी मांगने और शोरूम पर फायरिंग करने वाले बदमाश को शाहदरा पुलिस और एएटीएस की टीम ने सोमवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

आरोपित मुनव्वर अली उर्फ समीर के बाएं पैर में गोली लगी है। उसे उपचार के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके कब्जे से एक पिस्तौल, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। रोहतास नगर बाबरपुर रोड स्थित हरीश गारमेंट शोरूम के संचालक शिवम गोयल ने शाहदरा थाने में शिकायत दी थी। आरोप लगाया था कि 2 मार्च की दोपहर एक व्यक्ति ने उनको काल कर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी।

काल करने वाले शख्स ने खुद का नाम सलमान बताया था। यह भी कहा था कि वह जेल से बोल

रहा है।

धमकी दी थी कि रुपये नहीं दिए तो अंजाम बुरा होगा। काल आने के करीब एक घंटे बाद काले रंग की मोटरसाइकिल पर आए दो बदमाशों ने फायरिंग कर उनके शोरूम के शीशे तोड़ दिए थे। उनमें से एक बदमाश ने पिस्तौल लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में एएटीएस शाहदरा के इंस्पेक्टर भूषण, एसआइ प्रवेश, एएसआइ मेवाराम, ललित, कांस्टेबल सौरभ व अमित, शाहदरा पुलिस थाने के एसआइ देशपाल, प्रमोद और कांस्टेबल दिनेश की टीम गठित की गई।

टीम को सूचना मिली कि इस मामले में वांछित आरोपित मुनव्वर अली गियानांद सिनेमा के पास सोमवार तड़के किसी से मिलने आ रहा है। पुलिस ने वहां

इस मामले में एएटीएस शाहदरा के इंस्पेक्टर भूषण, एसआइ प्रवेश, एएसआइ मेवाराम, ललित, कांस्टेबल सौरभ व अमित, शाहदरा पुलिस थाने के एसआइ देशपाल, प्रमोद और कांस्टेबल दिनेश की टीम गठित की गई।

पर नजर रखना शुरू कर दिया। जैसे ही आरोपित वहां पहुंचा, पुलिस उसे पकड़ने के लिए भागी।

उनको देख कर आरोपित ने गोली चला दी। अपने बचाव में पुलिस ने आरोपित मुनव्वर अली पर गोली चलाई, जो उसके बाएं पैर में लग गई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मुनव्वर अली पर पहले से हत्या का केस दर्ज है। वह बदायूं के कोतवाली क्षेत्र के खानसारी मोहल्ला का रहने वाला है।

गृहस्वामी को फंसाने वाले पुलिसकर्मियों को नोटिस

नई दिल्ली। वर्ष 2002 में हुई चोरी के एक मामले में घर के मालिक को ही फंसाने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर न्यायमूर्ति योगेश खन्ना की पीठ ने हाई कोर्ट रजिस्ट्रार जनरल को भी नोटिस किया। रजिस्ट्रार जनरल की शिकायत पर ही पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा शुरू किया गया था। याचिकाकर्ता मंजीत सिंह चुग ने पुलिस कर्मियों को आरोप मुक्त करने के निचली अदालत के आदेश को रद करने की मांग की है।

अधिवक्ता जगमोहन सिंह के माध्यम से याचिका दायर कर याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि पर्याप्त साक्ष्य होने के बावजूद भी निचली अदालत ने आरोपितों को आरोपमुक्त कर दिया। याची ने कहा कि आरोपितों के खिलाफ दोबारा से मुकदमा चलाकर आरोप तय करने का निर्देश देने की मांग की है। याचिका के अनुसार मंजीत सिंह चुग व उनके पिता ने अक्टूबर 2002 में घर में चोरी करते हुए एक आरोपित को पकड़कर

पुलिस के हवाले कर दिया था। इसमें आरोपित को चोट लगी थी, लेकिन अदालत में उसने आरोप लगाया था कि मंजीत चुग व उनके पिता ने राड से हमला किया था। इसके बाद पुलिस ने याची व उनके पिता के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर लिया था। हालांकि, बाद में हुई जांच में चुग व उनके पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने को संदेह के घेरे में पाया गया था। इसके बाद हाई कोर्ट ने चुग और उनके पिता को बरी करते हुए झूठे मुकदमे में फंसाने वाले एक इंस्पेक्टर व दो सब इंस्पेक्टर के खिलाफ समुचित कार्रवाई करने का आदेश दिया था। इस मामले में निचली अदालत ने नवंबर-2020 में तीनों पुलिस कर्मियों को आरोपमुक्त कर दिया था।

दिल्ली में सातवें दिन घटे कोरोना के मामले, 286 नए मामले; दो मरीजों की मौत

नई दिल्ली। राजधानी में पिछले छह दिन से कोरोना के नए मामलों में लगातर वृद्धि होने के बाद अब सातवें दिन मामलों में कमी आई है। रविवार को कोरोना के 286 नए मामले सामने आए। वहीं, संक्रमण दर भी घटकर 0.31 फीसद रह गई, जबकि शनिवार को यह 0.60 फीसद थी। साथ ही दो मरीजों की मौत हो गई।

वहीं, 260 मरीज ठीक हुए। हालांकि, सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1803 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के अब तक कुल छह लाख 41 हजार 101 मामले आ चुके हैं। जिसमें छह लाख 28 हजार 377 मरीज ठीक हो चुके हैं। वहीं, मरीजों के ठीक होने की दर रविवार को 98.01 फीसद पर स्थिर रही। मृतकों की कुल संख्या 10,921 हो गई है। जबकि मृत्यु दर 1.70 फीसद है। इस समय अस्पतालों में 574 मरीज भर्ती हैं। वहीं, छह मरीज कोविड केयर सेंटर में भर्ती हैं। साथ ही 937 मरीज होम आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे हैं।

राकेश टिकैत से तीखे सवाल पूछने वाली छात्रा महिला दिवस पर की जाएगी सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली के बादली के ढांसा बार्डर के मंच पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रवक्ता राकेश टिकैत से तीखे सवाल पूछने वाली छात्रा को सम्मानित किया जाएगा। भारत भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष रमेश दलाल ने शनिवार को बताया कि सात मार्च को निलौठी गांव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में छात्रा को सम्मानित किया जाएगा। रमेश दलाल ने कहा कि राकेश टिकैत से एक बेटी ने सवाल पूछ लिए, लेकिन टिकैत कोई जवाब नहीं दे सके। छात्रा से माइक छीन लिया गया। वह बेटी निलौठी में आए और इस मंच के माध्यम से चाहे हजार सवाल पूछे, उनका जवाब दिया जाएगा। आखिर युवाओं की बात नहीं सुनेंगे तो किसकी सुनेंगे। रमेश दलाल ने कहा कि राकेश टिकैत द्वारा बेटी की आवाज को दबाना गलत था। उसकी आवाज को दबाना नहीं चाहिए था बल्कि बोलने का मौका देना चाहिए था। संविधान सत्याग्रह आंदोलन को लेकर दलाल ने कहा कि जमीन का उचित मुआवजा लेकर ही रहेंगे। बता दें कि हरियाणा की छात्रा से माइक छीनने की घटना का निलौठी में चल रहे धरने में विरोध किया गया है। दरअसल,भूमि अधिग्रहण के मसले पर निलौठी में पांच राज्यों के किसानों का संविधान सत्याग्रह आंदोलन के तहत 51 दिन से धरना चल रहा है। इस धरने में शामिल लोगों ने एक सुर में राकेश टिकैत की कड़ी निंदा की और छात्रा को सम्मानित करने का फैसला है। फिलहाल छात्रा या उसके परिजनों की तरफ से इस मामले में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आ पायी है। शुक्रवार को राकेश टिकैत ढांसा बार्डर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करने पहुंचे थे। इसी दौरान हरियाणा से आई एक छात्रा मंच पर गई और कुछ बोलने की इच्छा जाहिर की। मंच पर मौजूद लोगों ने छात्रा को माइक दे दिया। छात्रा ने राकेश टिकैत से पूछा कि अगर प्रदर्शनकारी और सरकार अपने रुख पर अड़े रहे तो यह धरना प्रदर्शन कहां तक जाएगा आखिर यह खत्म कब होगा।

बजट सत्र से पहले जनता के मुद्दे पर आप से जवाब मांगेगी भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर जनता से झूठे वादे करने और उन्हें भूलने का आरोप लगाया है। साथ ही भाजपा ने वादों को लेकर सरकार से जवाब मांगने का फैसला लिया है। सोमवार से शुरू हो रहे बजट सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी की अध्यक्षता में विधानसभा में विधायक दल की बैठक हुई। इसमें सरकार से जनता के मुद्दों पर जवाब मांगने की रणनीति बनाई गई है। बिधूड़ी ने कहा कि सरकार जनता से किए गए वादे पूरे नहीं करती है। सरकार ने पिछले बजट में पूरी दिल्ली में सीसीटीवी कैमरे लगाने फ्री वाई-फाई, दिल्ली की सड़कों को बनाने का वादा किया था। इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ है। जनता सुविधाओं के लिए तरस रही है। वर्ष 2020 में 65 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया था, लेकिन विकास का कोई कार्य नहीं हुआ।

सड़कों को नए डिजाइन का बनाने के लिए 193 करोड़ रुपये रखे गए थे, लेकिन दिल्ली की सड़कें बदहाल हैं। 24 घंटे पानी देने की बात कही गई थी, लेकिन कई इलाकों में अब भी दो घंटे के लिए भी पानी नहीं आता। इतना ही नहीं प्रदूषण कम करने के लिए बजट में 30 करोड़ रुपये का प्रविधान था, लेकिन प्रदूषण कम नहीं हो पाया। यही नहीं पिछले बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य और सार्वजनिक परिवहन पर सबसे ज्यादा खर्च करने की बात कही गई थी, लेकिन यह प्राथमिकता भी दिखाई नहीं दी। इसके अलावा सरकार समाज कल्याण के नाम पर चल रही सारी योजनाओं को भूल चुकी है। बुजुर्गो सहित अन्य लोग पेंशन के लिए भटक रहे हैं और सरकार का जोर 400 से ज्यादा शराब के नए ठेके खोलने पर है। उधर राजधानी में रहने वाले उत्तराखंड के भाई-बहनों की ताकत को भी पहचानने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें चार धाम में एक्सप्रेस-वे बनाने सहित कई लाभकारी योजनाएं शामिल हैं। उत्तराखंड की जनता खुद को भाजपा से और प्रधानमंत्री के साथ जुड़ा हुआ महसूस करती है। ये बातें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पर्वतीय प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किए गए होली मिलन समारोह में कहीं। गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि संगठन में महिलाओं को उचित सम्मान दिया जाता है। यही वजह है भाजपा शासित दिल्ली के नगर निगमों में सर्वाधिक जिम्मेदारी महिलाओं के पास रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप अपना झूठा शिक्षा माडल, झूठी स्वास्थ्य व्यवस्था, झूठे विकास के सहारे उत्तराखंड में भ्रम फैला रही है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनेताओं ने की पशु क्रूरता रोकने के लिए कड़े कानून की वकालत

नई दिल्ली। चेंज डॉट ऑर्ग पेटीशन ध्रूश्नस्न्नध्न्न50 के ज़रिए सिविल सोसाइटी ने भारत में पशु क्रूरता रोकने के लिए कड़े कानून की मांग की। सांसद अनुभव मोहंती समेत अन्य प्रमुख शख्सियतें चेंज डॉट आर्ग पर लगभग 8 लाख लोगों द्वारा समर्थित पशु क्रूरता रोकने के अभियान के साथ खड़े हुए। इस मुद्दे पर दिल्ली के ऑरो किचन में चेंज डॉट ऑर्ग इंडिया द्वारा आयोजित कार्यकम, जिसमें कि ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल/इंडिया और पीपल फॉर एनिमल्स ने भी हिस्सा लिया, इसमें बेजुबानों के अधिकार के लिए चर्चा हुई।

रविवार की दोपहर में लोग अपने पालतू जानवरों के साथ ध्रूश्नस्न्नध्न्न50 कैंपेन के समर्थन में अपनों घरों से निकले। ये कैंपेन भारत सरकार से गुहार लगा रहा है कि वो जानवरों पर क्रूरता के जुर्माने को बढ़ाए, ताकि लोग बेजुबान जानवरों को तकलीफ़ पहुंचाने से पहले दस बार सोचें। कार्यक्रम में सासंद अनुभव मोहंती, सामाजिक कार्यकर्ता और टीवी की मशहूर शख्सियत तहसीन पूनावाला एवं अन्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में बडी नाम के कुत्ते को बचाने वाले लोगों ने भी शिरकत की, जिन्होंने कुछ समय पहले बडी को शोषण से बचाया था और #JusticeForBuddy अभियान से पशुओं के प्रति क्रूरता पर एक बहस छेड़ी थी।

संपादकीय

दोस्ती तक नहीं पहुंचेगी सैन्य वापसी

भारत और चीन के विदेश मंत्रियों और सीमा पर सैन्य कमांडरों के बीच हाल ही में बनी सहमति के बावजूद दोनों देशों का आपसी रिश्ता नाजुक बना हुआ है। माना यही जा रहा है कि देपसांग मैदान, डेमचोक, गोगरा और हॉट स्प्रिंग्स पर वार्ता आसान नहीं होगी, और इसी से पता चल सकेगा कि चीन सीमा पर तनाव कम करने और शांति बहाल करने के लिए गंभीर है अथवा नहीं। लद्दाख के पैंगोंग त्सो के उत्तरी और दक्षिणी तटों से 10 फरवरी से सैनिकों को वापस बुलाने पर बनी सहमति असल में चीनी फौज को उन जगहों से पीछे हटाने का पहला अल्पकालिक कदम है, जहां अप्रैल, 2020 से वह कब्जा जमाए बैठी थी। इसके अलावा, आपसी विश्वास की कमी और द्विपक्षीय वार्ता पर संदेह के बादल हालात को जटिल बना रहे हैं। दरअसल, मई 2020 के बाद से चीन ने लद्दाख से शुरुआत करते हुए 4,057 किलोमीटर लंबी पूरी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जो सैन्य दबाव बनाया, उसके गहरे सामरिक निहितार्थ हैं। बीजिंग सैन्य, नागरिक और कूटनीतिक माध्यमों का एक साथ इस्तेमाल करता रहा है। महत्वपूर्ण यह भी है कि दोनों देशों और लोगों के बीच तथाकथित ऐतिहासिक और पारंपरिक रूप से घनिष्ठ संबंध होने के मिथक को भी चीन ने स्पष्ट तौर पर बेपरदा किया है, और यह साफ कर दिया है कि बीजिंग कभी भी भारत के हितों या अच्छे संबंधों के प्रति संवेदनशील नहीं है। इसलिए भारत को इसी संदर्भ में द्विपक्षीय रिश्तों की पड़ताल करनी चाहिए।

ऊंचाई वाले लद्दाख क्षेत्र में नौ महीने से गतिरोध अब भी बना हुआ है, क्योंकि दोनों देश पूरी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आमने-सामने हैं। एक रिपोर्ट ने यह बताया है कि मई महीने के बाद से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) तिब्बत-भूटान सीमा पर तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर) में द्रोवा गांव के ठीक सामने एक सैन्य ठिकाना बना रही है। सिक्किम में नाथू ला के सामने यादोंग में उसने एक हवाई अड्डा भी बनाया है। ये ऐसे निर्माण-कार्य हैं, जो तिब्बत-भूटान सीमा पर तनाव बढ़ा सकते हैं। इसी तरह, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र का दुष्प्रचार और जन सुरक्षा टीमों का दौरा भी महत्वपूर्ण है, जिन्होंने ग्रामीणों को चीन की सीमाओं के बारे में जानकारी देने के लिए पैंगोंग, शिक्कान्हे, डोमचोक तक यात्रा की और 'पैंगोंग को अंतरराष्ट्रीय झील' बनाने की बात कही। इस दरम्यान चीन ने एक वीडियो सम्मेलन भी आयोजित किया, जिसमें नेपाल के नेतृत्व ने 'एक चीन की नीति' के लिए काठमांडू की प्रतिबद्धता को दोहराया। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने भारत के साथ इसी नाजुक समय पर विवादास्पद मुद्दे भी उठाए। चीन के विदेश मंत्री वांग यी अचानक अगस्त में तिब्बत गए। उन्होंने ल्हासा में तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के नेताओं से मुलाकात की और पैंगोंग त्सो व चुशूल में सीमावर्ती क्षेत्रों की भी यात्रा की। भारत के बिजली ग्रिड पर एक संदिग्ध साइबर हमला भी हुआ, और सितंबर में वांग यी की भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के बाद, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के प्रभाव वाले अखबार ग्लोबल टाइम्स के मुख्य संपादक हू शीजीन ने एक संपादकीय लिखा, जिसमें युद्ध के लिए चीन को तैयार रहने के लिए कहा गया। भारत के खिलाफ बीजिंग की सैन्य कार्रवाई अप्रत्याशित नहीं थी। इसके संकेत 2016 में पीएलए के पश्चिमी थियेटर कमांड की स्थापना के साथ ही मिल गए थे, जो चीन द्वारा नव-निर्मित पांच सैन्य थियेटर कमांड में सबसे बड़ा है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में चीन की ताकत को सुनिश्चित करना और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की सुरक्षा करना है। वर्ष 2015 में सीपीईसी की घोषणा के तुरंत बाद, चीन के नेताओं ने भारत से आने वाले मेहमानों, यहां तक कि उच्चस्तरीय दौरे में भी, यह कहना शुरू कर दिया था कि 'पाकिस्तान के साथ बातचीत फिर से शुरू करें, तनाव कम करें, कश्मीर मसले का हल निकालें और तब चीन के साथ संबंध सुधारने की तरफ बढ़ें'। वर्ष 2017 में डोका ला में तनातनी के बाद पीएलए की थल और वायु सेना द्वारा ऊंचाई वाले तिब्बती पठार में प्रशिक्षण-कार्यक्रम आगे बढ़ाए गए। चीनी सैन्य मीडिया में इनके बारे में बताया गया कि ये भारत के खिलाफ तैयारी का हिस्सा हैं।

साफ है, आने वाले दिन अनिश्चित और तनावपूर्ण हो सकते हैं। यहां चाइनीज इंस्टीट्यूट ऑफ कंटेम्परारी इंटरनेशनल रिलेशन्स (सीआईसीआईआर) में दक्षिण एशिया मामलों के विभाग के निदेशक हू शीशेंग के दावे खासतौर से प्रासंगिक हो जाते हैं। यह संस्था चीन की मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी का थिंक टैंक है, जो पोलित ब्यूरो को रिपोर्ट करती रहती है। हू शीशेंग ने दावा किया है कि भारत और चीन अपनी आजादी की शुरुआत और क्षेत्रीय पदानुक्रम बनाने के बाद से ही हितों के टकराव, यहां तक कि सैन्य संघर्ष में मुब्तिला रहने को अभिशप्त हैं। इसी तरह, उन्होंने यह भी महसूस किया कि सीमा विवाद से अधिक जटिल मसले प्रभुत्व स्थापित करने और इस क्षेत्र में श्रेष्ठता हासिल करने की होड़ हैं। 17 दिसंबर को ग्लोबल टाइम्स में प्रकाशित हू शिशेंग का एक लेख तो और भी हैरान करने वाला है। उन्होंने भारत पर चीन के प्रति नकारात्मक और रुकावटी रुख अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, चीन के उदय को रोकने के लिए भारत बहुपक्षीय तंत्र की आड़ में बीजिंग के खिलाफ अवरोध पैदा कर रहा है और ब्राजील, रूस, भारत, चीन व दक्षिण अफ्रीका के संगठन 'ब्रिक्स' व 'शंघाई सहयोग संगठन' को महत्वहीन बनाने की कोशिशों में जुटा है। उनका मानना है कि भविष्य में भारत और चीन के बीच खाई बढ़ती जाएगी, क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों में आपसी मतभेद बढ़ेंगे और चीन-भारत सहयोग के लिए अनुकूल माहौल फीका पड़ता जाएगा। ध्यान रहे, दोनों लेखों को प्रकाशित करने से पहले चीन में निश्चित तौर पर उच्च-स्तर पर अनुमति ली गई होगी। बेशक अभी कुछ समय के लिए सैन्य तनाव कम किए जा सकते हैं, पर कदम पीछे हटाने को लेकर चीन में आलोचना हुई है। चीन नई दिल्ली की सरकार को घेरने के लिए और भारत के उभार को कमतर साबित करने के लिए एक अन्य सैन्य दांव खेल सकता है। लिहाजा, पहली बार वार्ता में लेफ्टिनेंट-जनरल और राजनयिक को शामिल करने वाले भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके क्षेत्रीय और संप्रभु हितों से कतई समझौता नहीं किया जाएगा। भारत-चीन संबंध अब ज्यादा दिनों तक पहले जैसे नहीं रहेंगे और भारत को अपनी अर्थव्यवस्था व विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों से चीन को बाहर करना ही होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

रसातल की ओर जाती कांग्रेस- 23 नेताओं के सवालों से बचने की कोशिश में पार्टी में बढ़ रहा कलह

आगे जो भी हो, यह साफ है कि कांग्रेस लगातार हाशिये पर जा रही है। इस समय बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। कांग्रेस इनमें से कहीं पर भी सत्ता में नहीं है। उसने बंगाल में चुनाव जीतने के लिए कट्टरपंथी मौलाना अब्बास सिद्दीकी से गठबंधन किया है तो असम में बदरुद्दीन अजमल से। यह घोर विडंबना है कांग्रेस सरीखा राष्ट्रीय दल सांप्रदायिक तत्वों के साथ खड़ा हो रहा है।

राहुल गांधी के तेवरों से ऐसा लगता है कि वह हर चुनौती का सामना कर लेंगे, लेकिन उनकी समस्त राजनीति मोदी को नीचा दिखाने पर केंद्रित है।

कांग्रेस के कुछ दिग्गज नेताओं की ओर से नेतृत्व की अक्षमताओं को लेकर सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखे हुए छह माह से अधिक हो गया है, लेकिन अभी तक इस चिट्ठी में उठाए गए सवालों का समाधान होने की सूरत नहीं दिख रही है। कांग्रेस नेतृत्व यानी गांधी परिवार 23 नेताओं के समूह की चिट्ठी में उठाए गए सवालों से बचने की जितनी कोशिश कर रहा है, पार्टी में कलह उतनी ही तेज हो रही है। पिछले दिनों इस समूह के प्रमुख नेताओं ने जम्मू में गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व में एकत्र होकर कांग्रेस के कमजोर होते जाने की बात फिर कही। इसके पहले आनंद शर्मा और कपिल सिब्बल ने राहुल गांधी को यह नसीहत भी दी कि मतदाताओं की समझदारी पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। यह नसीहत इसलिए दी गई, क्योंकि केरल में राहुल ने कहा था कि उत्तर भारत के लोग सतही मुद्दों पर राजनीति करते हैं। इसके बाद गुलाम नबी आजाद ने प्रधानमंत्री मोदी की इसके लिए तारीफ की कि वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। यह कथन कांग्रेस को रास नहीं आया।

इन 23 नेताओं के अलावा भी कांग्रेस में कई ऐसे नेता हैं, जो यह महसूस कर रहे हैं कि पार्टी नेतृत्व यथास्थिति का शिकार है। निस्संदेह कोई भी नेता खुले तौर पर सोनिया अथवा राहुल का विरोध नहीं कर रहा है, लेकिन वे अंतरिम अध्यक्ष की व्यवस्था से खुश भी नहीं। वे राहुल के तौर-तरीकों को भी नापसंद कर रहे हैं, जबकि एक समय यही सब उन्हें भविष्य का नेता मानते थे। अब वे उनकी कार्यशैली से निराश हैं।

2019 के चुनाव में राहुल ने राफेल सौदे को तूल दिया। वह राफेल विमानों की खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप के साथ चौकीदार चोर है का नारा भी उछालते रहे। उन्हें मुंह की खानी पड़ी। वह खुद अमेठी से हारे और कांग्रेस फिर से इतनी सीटें नहीं जीत सकी कि लोकसभा में विपक्ष का दर्जा हासिल कर सके। कांग्रेस को बालाकोट एयर स्ट्राइक पर बेजा सवाल उठाने के भी दुष्परिणाम भोगने पड़े। इधर राहुल हम दो हमारे दो का जुमला उछालकर यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह केवल मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी के लिए काम कर रहे हैं।

उनकी जुमलेबाजी खुद उन पर भारी पड़ रही है, लेकिन वह सबक सीखने के बजाय नए-नए जुमले गढ़ रहे हैं। चूंकि वह लगभग हर दिन मोदी सरकार के खिलाफ तंज भरे ट्वीट करते हैं, इसलिए यह कहा जाने लगा है कि उनकी राजनीति ट्विटर तक सीमित हो गई है। समस्या केवल यह नहीं कि वह किसी ट्रोल की तरह व्यवहार कर रहे, बल्कि यह भी है कि उनका विमर्श सतही और खोखला होता जा रहा है। वास्तव में सतही विमर्श से पूरी पार्टी ग्रस्त हो गई है।

संसद में भी कांग्रेसी नेता किसी सार्थक चर्चा में हिस्सा लेने के बजाय जुमलेबाजी ही अधिक करते हैं। कृषि कानूनों के विरोध में खड़े राहुल तब मौन रहे, जब इन कानूनों पर संसद में चर्चा हो रही थी, लेकिन बजट पर चर्चा के दौरान उन्होंने इन कानूनों के खिलाफ हम दो हमारे दो का जुमला उछाला। जैसे कृषि कानून बनाने का वादा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में किया था, वैसे ही कानून बन जाने पर वह उनके खिलाफ खड़ी होकर किसानों को बरगला रही है। इससे कुल मिलाकर किसान और कृषि का ही अहित हो रहा है।

राहुल किस कदर घोर मोदी विरोध से ग्रस्त हैं, इसका पता उनकी ओर से मोदी को भयंकर शत्रु करार देने से चलता है। राजनीति में ऐसी भाषा के लिए कोई जगह नहीं, लेकिन राहुल इसी तरह की शब्दावली के आदी बनते जा रहे हैं। मोदी सरकार पर उनका ताजा आरोप है कि उसकी मदद से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सभी संस्थाओं पर कब्जा करता जा रहा है। यह आरोप उन्होंने तब लगाया, जब वह आपातकाल को एक भूल बता रहे थे। उन्होंने यह सफाई दी कि आपातकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम नहीं किया गया था। यह हास्यास्पद है, क्योंकि उस दौरान सर्वोच्च न्यायालय तक को दबाव में ले लिया गया था।

लगता है गांधी परिवार ने यह ठान लिया है कि वह कांग्रेस को निजी जागीर की तरह ही चलाएंगे। कुछ चाटुकार नेता यह माहौल भी बनाने में जुटे हैं कि गांधी परिवार ही कांग्रेस को सही नेतृत्व दे सकता है। इन नेताओं की समझ से गांधी परिवार को धुरी बनाकर कांग्रेस को एकजुट रखा जा सकता है, लेकिन वे यह नहीं देख पा रहे कि पार्टी रसातल में जा रही है। कांग्रेस की कमजोरी का ताजा प्रमाण गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में उसका लगभग सफाया हो जाना है। वहां आम आदमी पार्टी कांग्रेस का स्थान लेती दिखी।

विद्रोह की मुद्रा में खड़े कांग्रेस के शीर्षक्रम के नेता इससे भली-भांति परिचित हैं कि असंतोष के चलते जो भी लोग पार्टी से अलग हुए वे या तो क्षेत्रीय नेता के तौर पर अपनी राजनीतिक पहचान बना सके या फिर कांग्रेस से किसी न किसी रूप में जुड़ने को विवश हुए। ममता बनर्जी और शरद पवार इसके उदाहरण हैं। ऐसे नेता राष्ट्रीय राजनीति में कुछ खास नहीं कर पाए। शायद यही कारण है कि जी-23 समूह के नेता गांधी परिवार को परोक्ष रूप से तो आड़े हाथ ले रहे हैं, लेकिन पार्टी से अलग होकर अपना दल बनाने के संकेत नहीं दे रहे हैं। गांधी परिवार और उसकी चाटुकारिता कर रहे नेता इससे परिचित हैं और इसीलिए वे असंतुष्ट नेताओं के खिलाफ तीखी टिप्पणियां करने से बच रहे हैं।

आगे जो भी हो, यह साफ है कि कांग्रेस लगातार हाशिये पर जा रही है। इस समय बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। कांग्रेस इनमें से कहीं पर भी सत्ता में नहीं है। उसने बंगाल में चुनाव जीतने के लिए कट्टरपंथी मौलाना अब्बास सिद्दीकी से गठबंधन किया है तो असम में बदरुद्दीन अजमल से। यह घोर विडंबना है कांग्रेस सरीखा राष्ट्रीय दल सांप्रदायिक तत्वों के साथ खड़ा हो रहा है।

राहुल गांधी के तेवरों से ऐसा लगता है कि वह हर चुनौती का सामना कर लेंगे, लेकिन उनकी समस्त राजनीति मोदी को नीचा दिखाने पर केंद्रित है। उनकी राजनीति में गंभीर विमर्श के बजाय नफरत और आक्रोश ही दिखता है। वह यह समझने को तैयार नहीं कि नफरत की यह राजनीति कांग्रेस को जनता से और अधिक दूर करने का ही काम करेगी।

तो क्या वर्चुअल करेंसी को अब भविष्य की मुद्रा मान लेना चाहिए

दुनिया की मशहूर इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के एलन मस्क ने हाल ही में बिटकॉइन में डेढ़ अरब डॉलर के निवेश का फैसला लिया। इसके बाद वर्चुअल करेंसी को लेकर उद्योग जगत में जो हलचल पैदा हुई, उस पर लगभग 11 साल की उम्र वाली यह वर्चुअल करेंसी सीना फुला सकती है। तो क्या वर्चुअल करेंसी को अब भविष्य की मुद्रा मान लेना चाहिए क्या इसमें भी बिटकॉइन दुनिया की सबसे दमदार मुद्रा बनने जा रहा है यदि वर्चुअल करेंसी में निवेश देखें तो बिजनेस इंटेलिजेंस एंड मोबाइल सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोस्ट्रेटजी के पास 71,079 बिटकॉइन हैं, परंतु टेस्ला की तरह किसी जाने-माने उद्योग समूह ने इस तरह एलान कर इस पर दांव नहीं लगाया।

इलेक्टिक कारों से दुनिया में धूम मचाने वाली टेस्ला एलन मस्क को दुनिया के शीर्ष पूंजीपतियों में स्थान दिला चुकी है, तब यह निवेश निश्चित ही बिटकॉइन को सबसे मजबूत ब्रांड इमेज देने वाला है। फैसले की घोषणा के कुछ देर बाद ही बिटकॉइन की कीमत सर्वकालिक उच्च स्तर 47,000 डॉलर पर पहुंचना इसका परिचायक कहा जा सकता है। टेस्ला के फैसले का प्रभाव यह भी होगा कि दुनियाभर के उद्योग और उद्योगपति अब वर्चुअल करेंसी की स्वीकार्यता के लिए तेजी से आगे बढ़ेंगे। कुछ उद्योग समूहों ने तो इस पर राय-मशविरा भी प्रारंभ कर दिया है। माना जा रहा है कि जल्द ही ऐसी कुछ कंपनियां सामने आ सकती हैं, जो बिटकॉइन या अन्य दूसरी क्रिप्टोकरेंसी खरीदें या फिर इसमें लेन-देन स्वीकार करना शुरू कर दें।

पहली वर्चुअल करेंसी या पहला बिटकॉइन पहली बार 31 अक्टूबर 2010 को जारी किया गया था। भारत में बिटकॉइन की लोकप्रियता तब बढ़ी, जब कुछ साल पहले इसकी कीमत चार लाख रुपये पर पहुंच गई। इस पर किसी तरह का टैक्स नहीं होने की वजह से इसकी लोकप्रियता भारत में भी निरंतर बढ़ने लगी। हालांकि वर्ष 2016 में नवंबर में की गई नोटबंदी के दौरान भी बड़े पैमाने पर बिटकॉइन में निवेश की बातें सामने आईं, लेकिन ठोस कुछ नहीं मिला। वर्ष 2018 में भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्चुअल करेंसी को खतरा करार देकर इसके लेन-देन को गैर कानूनी करार दे रखा है, लेकिन यह फैसला दूरगामी नहीं कहा जा सकता। वर्ष 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिबंध को गलत बताया। इसके बाद जैब पे और बिटड्रॉप जैसी कंपनियां इसमें निवेश का रास्ता उपलब्ध करा रही हैं। निवेशक भी इसमें पूंजी डाल रहे हैं, परंतु केंद्र सरकार फिर भी मान्यता नहीं दे रही है। एक उच्च स्तरीय समूह की कुछ दिनों पहले आई रिपोर्ट तो ऐसी अन्य वर्चुअल करेंसियों को प्रतिबंधित करने का रास्ता खोल चुकी है।

बिटकॉइन के बाद ईथरम, रिपल, कार्डनो, डॉजपे जैसी कई वर्चुअल करेंसी आज लोकप्रिय हैं। विश्वसनीयता तो ये कायम रखे हुए हैं, परंतु निवेश के रिटर्न की बात आती है तो बिटकॉइन का कोई सानी अभी दिखता नहीं। इसकी एक वजह सीमित उपलब्धता और माइनिंग की 2.1 करोड़ की निश्चित सीमा है। इसकी करीब 1.6 करोड़ की माइनिंग हो चुकी है। बढ़ती मांग और सीमित उपलब्धता इसे बाजार में स्पेकुलेशन यानी अधिक कीमत पर बेचे जाने की संभावना के मुफीद भी बना देती है। यह बिटकॉइन की लोकप्रियता ही है कि आज दुनिया की आर्थिक महाशक्ति चीन अपनी वर्चुअल करेंसी युआन को टेस्टिंग के लिए जारी करने जा रहा है। स्विट्जरलैंड की सरकार ई फ्रेंक जारी करने के लिए विचार कर रही है। यहां तक कि कैरेबियाई देश जमैका और बहामास भी इसके लिए काम कर रहे हैं। मार्शल द्वीपसमूह ने तो अपनी क्रिप्टो मुद्रा लांच भी कर दी है।

ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन कह रहे हैं कि बिटकॉइन का बुलबुला फूटेगा। सेबी यानी सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया इसमें निवेश करने वाली कंपनियों को आइपीओ लाने से रोकने की गाइडलाइन जारी करती है। कुछ विशेषज्ञ इसकी तुलना वर्ष 1636 के डच ट्यूलिप से करते हैं, जो बहुत तेजी से बढ़ा और एक साल बाद ही धराशायी हो गया। भले ही जेपी मॉर्गन इसे धोखा कहे, लेकिन टेस्ला जैसे फैसले बताते हैं कि बिटकॉइन भविष्य का खरा सोना बनेगा। इसमें ज्यादा निवेश होगा तो ऊपर-नीचे भी जाएगा लेकिन बुलबूला नहीं बनेगा। टेस्ला के निवेश ने एक ही दिन में इस मुद्रा की कीमत 17 प्रतिशत तक बढ़ा दी।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कुछ वर्षों में सवा लाख की कीमत को भी छू सकता है, जो इसकी मांग को देखकर असंभव भी नहीं लगता। ऐसे में भारत सरकार को भी बिटकॉइन पर रोक लगाने के बजाय इसे वैध बनाने की ओर ध्यान देना चाहिए। सरकार को अपनी वर्चुअल करेंसी भारतकॉइन जारी करनी चाहिए। सिंगापुर लिस्टेड निवेश कंपनी एमडब्लूएच के रजत मेहरोत्र कहते हैं कि यह कागज के नोटों का स्थान तो नहीं ले सकेगी, लेकिन एक नई मुद्रा के रूप में अपनी विश्वसनीयता जरूर कायम करेगी। ब्लॉकचेन तकनीक के लेन-देन के लिए हमारे सिस्टम को तैयार करने में सहयोगी होगी। सरकार को बिटकॉइन की बाजार की हकीकत पर भी नजर डालनी चाहिए। इसे भी लेन-देन में मंजूरी देनी चाहिए, जो आगे लाभदायक ही होगी।

रिजर्वेशन : स्थानीय बनाम बाहरी

हरियाणा सरकार ने राज्य में प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में स्थानीय प्रत्याशियों के लिए 75 फीसदी आरक्षण का प्रावधान कर न केवल एक पुरानी बहस को नई जमीन दे दी है बल्कि देशवासियों के बीच एक नए प्रकार के टकराव की गुंजाइश भी बना दी है। राज्य विधानसभा तो पिछले साल ही यह बिल पास कर चुकी थी। राज्यपाल की मंजूरी के बाद अब इसके लागू होने का रास्ता साफ हो गया है। स्थानीय प्रत्याशियों के लिए नौकरियों में आरक्षण की न तो मांग नई है, न ही इसे लेकर विभिन्न दलों के बीच चलने वाली राजनीतिक उठापटक में कोई नयापन है। महाराष्ट्र में स्थानीय निवासियों का रोजी-रोजगार सुनिश्चित करने के लिए बाहरी लोगों को इनसे दूर रखने का मुद्दा शिवसेना और फिर एमएनएस की राजनीति का मुख्य आधार रहा है। लेकिन उस राजनीति को अभी हाल तक नीति निर्माण से जुड़े हलकों में ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जाता था, क्योंकि सत्ता में रहते हुए पार्टियां स्थानीय युवाओं को आरक्षण जैसे मुद्दों पर नरम पड़ जाती रही हैं। यह स्थिति पिछले कुछ वर्षों में बदल गई है। बीजेपी शासित राज्यों में न केवल चुनावी मुद्दे के रूप में इस मांग को तवज्जो दी गई है बल्कि सरकारें भी इसे लेकर काफी गंभीर दिखने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि हरियाणा में बहुत ऊंची नौकरियों को छोड़कर बाकी सबका तीन चौथाई हिस्सा स्थानीय आबादी के लिए आरक्षित करने की घोषणा हो गई है जबकि मध्य प्रदेश और कर्नाटक में बीजेपी की सरकारें ऐसा इरादा जता चुकी हैं। गौर से देखें तो हरियाणा सरकार का यह फैसला राष्ट्रीय विकास की उस प्रक्रिया को ही सवालों के घेरे में ला खड़ा करता है, जिसे आजादी के बाद और खासकर 1960 के दशक में अपनाया गया था और अंतर्निहित पक्षपात के बावजूद पूरे देश में जिसे लेकर अभी तक एक अघोषित सर्वसम्मति बनी रही है।

इसकी धुरी यह प्रस्थापना थी कि वित्तीय संसाधन पूरे देश से जुटाए जाएं लेकिन इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए पूंजी लगाते वक्त यह देखा जाए कि उसपर सबसे ज्यादा रिटर्न कहां से मिलने वाला है। इसीलिए चाहे भाखड़ा-नांगल परियोजना हो या बंदरगाह और परिवहन का जाल बिछाने का मामला, केंद्र की ओर से ढांचागत पूंजी निवेश पश्चिमी और दक्षिणी समुद्र तटीय राज्यों के अलावा पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में ही हुआ। इसकी बदौलत कुछ राज्यों में खेती और उद्योग-धंधे तेजी से विकसित हुए जबकि बाकी राज्यों की पहचान लेबर सप्लाई तक सिमटती गई।हाल तक इन राज्यों के लोगों को इसमें कुछ अटपटा नहीं लगता था क्योंकि लुधियाना, गुड़गांव, मुंबई, अहमदाबाद और बेंगलुरु इन्हें अपने ही गांव-घर का विस्तार लगते थे। मगर धीरे-धीरे संकीर्ण राजनीति की एक धारा ऐसी उभरी जो पिछड़े राज्यों से आने वालों को बाहरी के रूप में चित्रित करने लगी। अब तक यह काम अपने पांव जमाने में जुटी क्षेत्रीय ताकतें ही करती थीं, लेकिन अभी देश की सबसे बड़ी पार्टी के इस दिशा में बढ़ जाने के बाद कई राज्यों की युवा पीढ़ी के पास खुद को दिलासा देने का कोई जरिया नहीं बचेगा।

परिवार और समाज के विकास में महिलाओं के घरेलू कार्यों को भी मिले सम्मान

थप्पड़ फिल्म में पति के थप्पड़ से महिला को जो चोट पहुंची, वह शारीरिक चोट नहीं थी, वह उसकी यही पीड़ा थी कि जब उसने अपनी पसंद से अपनी सारी बेहतर क्षमताओं के बावजूद घर में रहना और उस घर को बेहतर से बेहतर बनाने का प्रयत्न किया, तब उसे इसके लिए गौरव और सम्मान क्यों नहीं मिला वास्तविकता यह है कि अधिकांश महिलाओं को अपने घर में किए जाने वाले कार्यो के बदले उन्हें मौद्रिक मूल्य की उतनी चाह है ही नहीं, जितनी इस बात की है कि उनके योगदान को पहचान मिले और उनके कार्यो की सराहना की जाए, ताकि उनके भीतर भी गौरवबोध पैदा हो और उन्हें इस बात का अहसास हो कि परिवार और समाज के विकास में उनका भी भरपूर योगदान है।

हमारे समाज में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले रोजमर्रा के घरेलू कार्यो को आर्थिक रूप से उपयोगी नहीं समझा जाता है। यह भी कहा जा सकता है कि घरेलू महिलाओं को आर्थिक उत्पादन की गणना में प्राथमिकता नहीं दी जाती है। अक्सर घर का कमाने वाला पुरुष सदस्य अपनी पत्नी से कहता है, घर में दिनभर करती क्या हो, टीवी देखने के अलावा तुम्हारे पास काम ही क्या है, तुम्हें क्या पता पैसा कैसे कमाया जाता है। ये कुछ वाक्य हैं, जो अधिकांशत- भारतीय घरों में सुने जाते हैं, जिनमें ओईसीडी यानी ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार पुरुषों के 52 मिनट की तुलना में महिलाएं 350 मिनट से अधिक घरेलू कार्यों में बिताती है, लेकिन इस कार्य को किसी आर्थिक गणना में शामिल नहीं किया जाता है।

इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि जनवरी 2021 में कीर्ति बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी वाद में माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले के माध्यम से कहा कि घर पर रहकर कार्य करने वाली महिला का योगदान किसी भी दृष्टि में कार्यालय जाने वाली महिला से कम नहीं है। न्यायालय द्वारा इस मामले में क्षतिपूर्ति राशि को 11.20 लाख से बढ़ाकर 33.20 लाख रुपये कर दिया गया।

देखा जाए तो यह पहला मामला नहीं था, जब न्यायालय ने महिला के घरेलू कार्य का मूल्य तय किया। लंदन की प्रोफेसर प्रभा कोटिस्वरन ने वर्ष 1968 से 2020 तक के ऐसे लगभग 200 मामलों का अध्ययन किया है जिनमें भारतीय न्यायालयों ने दुर्घटना की क्षतिपूर्ति राशि देते समय महिला के घरेलू कार्य को अहमियत दी। लेकिन इस मामले में दुख की बात यह है कि उसके कार्यो को यह पहचान उसकी मृत्यु के बाद मिली। समय आ गया है जब इस बारे में समग्रता से विचार किया जाए, ताकि घरेलू महिलाओं के काम को भी सम्मान मिल सके।

वर्ष 1991 की जनगणना में पहली बार महिला के घरेलू कार्यों को गणना योग्य माना गया। लता वाधवा केस में वर्ष 2001 में न्यायालय ने महिला के घरेलू कार्यों का मौद्रिक मूल्य तीन हजार रुपये तय किया, जो अब 34-59 आयु वर्ग की महिलाओं के लिए नौ हजार रुपये तय किया गया है। किंतु अपने ही घर में कार्य करने वाली महिला के घरेलू कार्य की तुलना किसी घरेलू सहायिका के कार्य से नहीं की जा सकती है जिसमें उसे भोजन बनाने, कपड़े धोने आदि की मजदूरी तय कर दी जाए। एक महिला अपने घर में घरेलू सहायिका, शिक्षिका, मैनेजर, नर्स आदि की भूमिका बिना तय घंटों, बिना अवकाश अपने व्यक्तित्व, अपने सपनों को तिलांजलि देते हुए निभाती है। ऑफिस के लोग स्वास्थ्य खराब होने की दशा में अवकाश लेकर आराम करते हैं, लेकिन घरेलू महिलाओं को ऐसा आराम शायद ही कभी मिल पाता हो। एनएसएसओ यानी नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस द्वारा जारी संबंधित रिपोर्ट में बताया गया है कि करीब 68 प्रतिशत महिलाओं के पास यह विकल्प ही नहीं है कि बीमार होने पर वे आराम कर सकें।

वर्ष 2003 से 2013 के दौरान भारत में कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में भले ही उल्लेखनीय इजाफा हुआ हो, लेकिन जेंडर इक्वलिटी इंडेक्स यानी लैंगिक समानता सूची में भारत 153 देशों में 112वें स्थान पर है। इस इंडेक्स के अनुसार यदि इस मामले में यह रफ्तार बनी रही तब भी स्त्री-पुरुष समानता में अभी 200 वर्ष और लगेंगे।

अब सवाल यह उठता है कि क्या महिला के घरेलू कार्यों का मौद्रिक मूल्य तय किया जाना चाहिए कुछ लोगों का कहना है कि यह कार्य तो महिला परिवार के प्रति अपने समर्पण के भाव में करती है, इनका मौद्रिक मूल्य उस समर्पण की भावना का अपमान होगा। ऐसे लोगों के घर में भी यदि एक स्त्री पूरे दिन घर संभालती है और दूसरी स्त्री कार्य पर जाती है तो काम पर जाने वाली स्त्री का सम्मान घर में अधिक होता है। साथ ही घर में अनेक प्रकरणों के संदर्भ में लिए जाने वाले निर्णयों में भी कामकाजी महिला की भागीदारी अधिक होती है।

कहते हैं कि आर्थिक स्वतंत्रता सभी स्वतंत्रताओं की जननी होती है, और स्वतंत्रता ही सम्मान लाती है। आत्मनिर्भर व्यक्ति आत्मगौरव के बोध से वंचित रह जाता है, इसलिए घरेलू कार्यों की पहचान, उसका उचित मौद्रिक मूल्य तय किया जाना आवश्यक है, ताकि उनके योगदान को गौरव मिले। यदि सार्वभौमिक मूलभूत आय के बारे में विचार संभव है तो यह क्यों नहीं इससे कार्यबल में महिला सहभागिता में भी सुधार होगा।

थप्पड़ फिल्म में पति के थप्पड़ से महिला को जो चोट पहुंची, वह शारीरिक चोट नहीं थी, वह उसकी यही पीड़ा थी कि जब उसने अपनी पसंद से अपनी सारी बेहतर क्षमताओं के बावजूद घर में रहना और उस घर को बेहतर से बेहतर बनाने का प्रयत्न किया, तब उसे इसके लिए गौरव और सम्मान क्यों नहीं मिला वास्तविकता यह है कि अधिकांश महिलाओं को अपने घर में किए जाने वाले कार्यो के बदले उन्हें मौद्रिक मूल्य की उतनी चाह है ही नहीं, जितनी इस बात की है कि उनके योगदान को पहचान मिले और उनके कार्यो की सराहना की जाए, ताकि उनके भीतर भी गौरवबोध पैदा हो और उन्हें इस बात का अहसास हो कि परिवार और समाज के विकास में उनका भी भरपूर योगदान है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

महिला दिवस पर बोले सीएम योगी- महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन से जुड़ा है मिशन शक्ति अभियान

लखनऊ । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम सीएम योगी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की श्रीगणेश किया। उन्होंने कहा कि समाज और सरकार जब एक साथ चलेंगे तो समस्या का समाधान स्वतः हो जाएगा। मिशन शक्ति अभियान महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वलंबन जब एक साथ जुड़ेगा तो नारी सशक्तीकरण का लक्ष्य स्वतः ही प्राप्त हो जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने शारदीय नवरात्रि में मिशन शक्ति अभियान शुरू किया था। नारी शक्ति की प्रतीक मां दुर्गा के अनुष्ठान का कार्यक्रम हम वर्ष में दो बार करते हैं। दोनों अवसरों पर नारी शक्ति व उसकी महिमा के बारे में अवगत होते हैं। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम मिशन शक्ति के दूसरे फेज से जुड़ रहे हैं। इस अवसर पर मैं आप सबका हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं।

महिलाओं को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सेफ सिटी परियोजना चल रही है। इसके दूसरे चरण का लोकार्पण सीएम योगी की उपस्थिति में इंडियन बैंक की चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर व मैनेजिंग डायरेक्टर पद्मजा चंदरू ने किया लखनऊ के बाद सेफ सिटी योजना में वाराणसी, गोरखपुर, गौतमबुद्धनगर, आगरा और प्रयागराज को शामिल किया जा चुका है। अब मेरठ, कानपुर नगर, अलीगढ़, बरेली, झांसी,

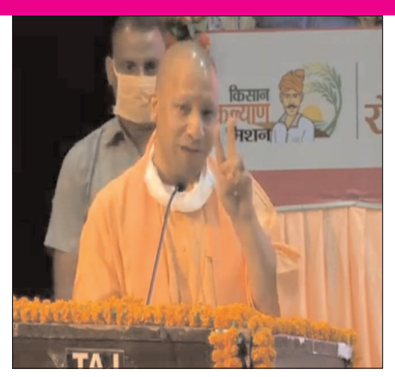

मुरादाबाद और सहारनपुर को भी योजना में शामिल किया जा रहा है।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन की दिशा में कदम बढ़ा रही उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार महिला सशक्तीकरण के कई और कदम उठाने जा रही है। मिशन शक्ति के दूसरे चरण की शुरुआत आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हो गई है। लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में महिला स्वावलंबन की मिसाल पेश करने वाली 11 उत्कृष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही इन महिलाओं अपने संघर्ष की कहानी भी साझा की।

समारोह में विशिष्ट अतिथि सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश ज्ञान सुधा मिश्रा ने 18 साइबर थानों में महिला साइबर क्राइम सेल व थानों में महिला पुलिस चौकी परामर्श केंद्र के साथ ही 13 बालिका छात्रावासों व चार राजकीय बालिका इंटर कॉलेजों के लोकार्पण किया। इसके अलावा इंडियन बैंक की सीइओ पद्मजा चुंदरु ने लखनऊ सेफ सिटी के तहत 45 पिंक बूथ ,18 पिंक शौचालय और 660 स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा के जरिये ही महिलाओं के सशक्तीकरण को आगे बढ़ाया जा सकता है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा व आत्मनिर्भरता के लिए सरकार की कई योजनाओं की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आधी आबादी को बराबरी का दर्जा देने के लिए कई कार्यक्रम चला रही है। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। जब तक महिलाएं जागरूक नहीं होंगी तब तक योजनाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगी।

सीएम योगी ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए समाज मे जागरूकता भी बहुत आवश्यक है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी व अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। इससे पूर्व कार्यक्रम को महिला स्वयं सेवी संगठन की संचालिका रवि रंजना पाल, थारू जाति की आरती राणा, धावक प्रियंका गोस्वामी व गोरखपुर में स्वयं सेवी समूह का संचालन कर रहीं वर्षा श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया ।

रेलवे सुरक्षा बल महिला कर्मियों ने पटना में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान पटना जंक्शन पर एक सेल्फी लेती हुई ।

सीएम नीतीश व उपेंद्र कुशवाहा से जुड़ी बड़ी खबर, 15 मार्च तक हो सकता है आरएलएसपी का जेडीयू में विलय

पटना । बिहार की सियासत से जुड़ी यह सबसे बड़ी खबर है। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के जनता दल यूनाइटेड में विलय की बात कुछ और आगे बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार अंतिम दौर की बातचीत के बाद आरएलएसपी सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा की अंतिम स्वीकृति मिलते ही पार्टी का जेडीयू में विलय हो सकता है। बताया जा रहा है अगर सबकुछ ठीक रहा तो यह विलय 10 दिनों में हो सकता है। बहुत संभव है कि यह 15 मार्च तक हो जाए। इसके साथ ही उपेंद्र कुशवाहा करीब दो साल बाद फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हो जाएंगे। उपेंद्र कुशवाहा की बातों से इसके संकेत मिले हैं। इस मामले में राजनीति भी गरमाती दिख रही है।

अपना-अपना आधार मजबूत करने में जुटे नीतीशा व कुशवाहा

बिहार विधानसभा चुनाव में कमजोर होने के बाद जेडीयू अपना आधार मजबूत करने की कवायद में जुटा है। इसके तहत उसकी नजर कुशवाहा समाज पर है। इसे देखते हुए जेडीयू में प्रदेश अध्यक्ष का पद इस समुदाय से आने वाले उमेश कुशवाहा को दिया गया है। बिहार में कुशवाहा समाज के बड़े नेता आरएलएसपी सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा के जेडीयू में आने के बाद पार्टी में यह समीकरण और मजबूत हो जाएगा, यह तय है। उधर, गत लोक सभा चुनाव के वक्त एनडीए छोड़ महागठबंधन के साथ गए उपेंद्र कुशवाहा कालक्रम में महागठबंधन से भी अलग हो चुके हैं। विधानसभा चुनाव में भी उन्हें निराशा हाथ लगी। इसके बाद उन्हें भी राजनीतिक जमीन की तलाश है।

कहा जा सकता है कि जरूरत दोनों की है। इसे देखते हुए आरएलएसपी व जेडीयू गिले-शिकवे भुलाकर एक साथ आने की बातचीत कर रहे हैं। जेडीयू के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद बशिष्ठ नारायण सिंह ने तो कह भी दिया है कि आरएलएसपी के जेडीयू में विलय को लेकर उपेंद्र कुशवाहा से बातचीत चल रही है। यह विलय कभी भी हो सकता है। आरएलएसपी व जेडीयू के सूत्र बताते हैं कि उपेंद्र कुशवाहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बशिष्ठ नारायण सिंह से कई दौर की बातचीत हो चुकी है। आरएलएसपी में होली से पहले नई पारी के संकेत भी दे दिए गए हैं। हालांकि, अब माना जा रहा है कि यह विलय 15 मार्च तक हो सकता है।

इशारों में दिए आरएलएसपी के विलय के संकेत- सोमवार को उपेंद्र कुशवाहा के वशिष्ठ नारायण सिंह के साथ नजर आने से फिर इस चर्चा को बल मिला। दोनों ने इशारों में विलय के संकेत भी दिए। इस बाबत उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि उनके वशिष्ठ नारायण सिंह के साथ व्यक्तिगत संबंध थे, हैं और रहेंगे। कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भी कहा कि वे उनके साथ लंबे समय तक रहे हैं और रहेंगे। वशिष्ठ नारायण सिंह ने भी कहा कि उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश कुमार के साथ लंबे समय तक काम किया है। ऐसे में कुछ भी अस्वभाविक नहीं है। वैसे, आरएलएसपी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव माधव आनंद ने कहते हैं कि विलय का फैसला खुद उपेंद्र कुशवाहा ही करेंगे।

विलय को लेकर सियासी बयानबाजी तेज- इस बीच आरएलएसपी व जेडीयू के विलय को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो रही है। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रवक्ता दानिश रिजवान ने कहा है कि कुशवाहा के आने से एनडीए व जेडीयू को मजबूती मिलगी। उधर, राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी कहते हैं कि इस विलय से कुशवाहा समाज को कोई लाभ नहीं होगा।

संक्षिप्त खबर

भाकियू प्रांतीय अध्यक्ष का बड़ा एलान, कहा- किसी भाजपा नेता को गांव में नहीं घुसने देंगे, भाजपाई करें अपनी जान की हिफाजत

मुरादाबाद । भारतीय किसान यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. नौसिंह ने अपनी टीम के साथ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

मौढ़ा तैय्या गांव के पास कार्यक्रम से लौट रहे कृषि मंत्री को काले झंडे दिखाए। इस दौरान यह एलान भी किया गया है कि सोमवार से भाजपा के किसी मंत्री, विधायक और अन्य नेता को गांव में नहीं घुसने दिया जाएगा। इसके बाद भी कोई मंत्री, विधायक और भाजपा नेता गांव में आता है तो वह अपनी जान की खुद हिफाजत करें। पंचायत चुनाव से पहले ही गांव-गांव भाजपा नेताओं को घुसने न दें, लिखे बोर्ड लगवाने का काम होगा। बीजेपी के नेताओं को किसान काले झंडे दिखाने का काम करेंगे। डॉ. नौ सिंह की कांठ विधायक राजेश कुमार चुन्नू ने फोन पर भी मंत्री से बात कराई। इस दौरान भाकियू के प्रांतीय महामंत्री ने कृषि मंत्री को किसानों की समस्याएं बताईं। कहा कि किसानों पर सरकार जुल्म कर रही है। ब्याज समेत गन्ने का भुगतान कराने का वायदा किया था, अभी तक नहीं हो पाया है। डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। कृषि मंत्री को ज्ञापन देने पहुंचने वाले किसानों में दीपक चौधरी, अंतिम चौधरी, इंद्र सिंह, अमरजीत चीमा, खजान सिंह, चमन सिंह, परम सिंह, भविष्य चौधरी, रविंद्र सिंह, शोभित चौधरी, विनीत चौधरी, तेजपाल सिंह, धर्मवीर सिंह, विक्की चौधरी आदि मौजूद रहे।

यह हैं भाकियू नेताओं की मांग- किसानों को ब्याज सहित गन्ना का भुगतान कराया जाए, सामान्य योजना के नलकूप कनेक्शनों का सामान दिलाएं, किसानों के लिए बिजली बिल में संशोधन करके 50 फीसद करें, तीन कृषि कानूनों को वापस लेकर किसानों को राहत दी जाए। एमएसपी पर कानून बनना चाहिए, जिससे किसानों को फसल की कीमत मिले, आंदोलन के दौरान मरने वाले किसानों के परिवार की आर्थिक मदद हो और परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी मिले।

पीसीएस 2021 में एक पद पर 1750 दावेदार, करीब सात लाख अभ्यर्थियों ने किया आवेदन

लखनऊ । उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की पीसीएस 2021 प्रारंभिक परीक्षा के लिए करीब सात लाख आभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यह पहला मौका है जब आवेदकों की संख्या छह लाख से अधिक हुई है। इसके चलते अभ्यर्थियों में प्रतिस्पर्धा काफी बढ़ गई है। आयोग ने अलग-अलग विभागों में चार सौ पद की भर्ती निकाली है। आवेदकों की संख्या पर गौर करें तो एक पद के लिए करीब 1750 दावेदार हैं, जबकि मुख्य परीक्षा के लिए कुल पद के अनुरूप सिर्फ 13 गुना अभ्यर्थियों को पास किया जाएगा। यानी एक पद पर 13 अभ्यर्थी ही पास होंगे। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 13 जून को प्रस्तावित है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस 2021 के चार सौ और सहायक वन संरक्षक अधिकारी/क्षेत्रीय वन अधिकारी (एसीएफ व आरएफओ) के 16 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन पांच मार्च तक लिए थे। आयोग के अनुसार इस बार छह लाख 88 हजार से अधिक आभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। प्रतियोगियों का कहना है कि पहली बार इतनी संख्या में अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

आवेदन बढ़ने के पीछे दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों का शामिल होना भी प्रमुख कारण है। नए पैटर्न से परीक्षा होने के कारण दूसरे राज्यों अभ्यर्थी भी इसमें आवेदन करते हैं। दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों ने पीसीएस की पिछली परीक्षाओं में टाप भी किया है। वहीं, आइएएस की तैयारी करने वाले अभ्यर्थी भी पीसीएस का फार्म भरने लगे हैं, क्योंकि परीक्षा उसी पैटर्न पर होती है। इससे आवेदकों की संख्या में इजाफा हुआ है। इन पदों की निकली है भर्ती - पीसीएस-2021 में एसडीएम का पद नहीं है। जबकि डिप्टी एसपी के 16, जीआइसी प्रधानाचार्य के 292, एआरटीओ के चार, खंड शिक्षाधिकारी के 30, वित्त एवं लेखाधिकारी के छह पद निर्धारित हैं।

जौनपुर में बच्ची संग दुष्कर्म और एसिड से जलाकर मारने वाले को सात महीने के भीतर फांसी की सजा

जौनपुर । मड़ियाहूं थाना क्षेत्र निवासी 11 वर्षीय बच्ची से 6 अगस्त 2020 की रात आठ बजे दुराचार कर उसकी हत्या करने के दोषी बाल गोविंद को अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रथम प्रथम रवि यादव ने मृत्यु दंड व 10000 रुपये जुर्माने की सजा का सुनाया सोमवार को सुनाया। शनिवार को सुनवाई के बाद फैसला जज ने सुरक्षित कर लिया था। इस मामले की प्रतिदिन सुनवाई चली और मुकदमे की मॉनिटरिंग शासन से की जा रही थी। घटना की एफआइआर बालिका के पिता ने दर्ज कराई थी। इस जघन्य वारदात के मामले में आरोपित को फांसी की सजा मिलने के बाद परिजनों ने फैसले से संतुष्टि जाहिर की है।

अभियोजन के अनुसार ईंट भट्टे पर काम करने वाला चंदौली निवासी बालगोविंद उर्फ गोविंदा अपने

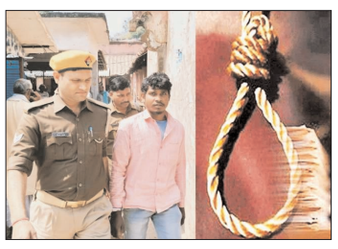

ससुराल मड़ियाहूं में रह रहा था। गत छह अगस्त 2020 की रात 11 वर्षीय बालिका व उसकी बहन को एक दुकान से टॉफी-बिस्किट दिलाया। छोटी बहन को घर भेज दिया और मृतका को बहला-फुसलाकर मक्के के खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया।

इसके बाद गला व मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद चेहरे पर एसिड डालकर जला दिया और शव को खेत में छिपाकर भाग गया। छोटी बहन ने घर जाकर बताया तो घर वाले खोजबीन करने लगे। दो दिन बाद गांव वालों ने बताया कि बालिका का शव खेत में है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया, जिसमें मृतका के साथ दुष्कर्म होने और सांस रुकने से मौत की पुष्टि हुई।

पुलिस ने आरोपित को चंदौली से गिरफ्तार किया और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। गत 26 नवंबर 2020 को आरोप तय हुआ। मृत बालिका की छोटी बहन व जिस दुकान से आरोपित ने टॉफी - बिस्किट जाकर खरीदा था, दोनों ने कोर्ट में आरोपित का नाम लेते हुए गवाही दी।

विशेष लोक अभियोजक राजेश उपाध्याय व एडीजीसी वीरेंद्र मौर्य ने 11 गवाह पेश किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आरोपित को अपहरण, दुष्कर्म, हत्या, साक्ष्य छिपाने व पॉक्सो एक्ट की धाराओं में दोषी करार दिया है।

मुजफ्फरनगर में भैंसा-बुग्गी लेकर सड़क पर निकलीं डीएम सेल्वा कुमारी जे, बोलीं- बरसों की तमन्ना हुई पूरी

मेरठ । एक तरफ जहां किसान महापंचायत को लेकर पश्चिमी में राजनीतिक हवाएं तेज हो रहीं हैं वहीं मुजफ्फरनगर में डीएम का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। मुजफ्फरनगर की डीएम सेल्वा कुमारी जे एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। दरअसल मुजफ्फरनगर की डीएम सेल्वा कुमारी जे. रविवार को एक अलग ही मूड में दिखाई दीं। वे अपनी बेटी के साथ छुट्टी के दिन फुर्सत के पलों में भैंसा-बुग्गी लेकर सड़क पर निकल आईं। बुग्गी पर एक तरफ उनकी छोटी सी बेटी बैठीं हुईं थीं, तो दूसरी तरफ जिलाधिकारी खुद बैठकर भैंसा बुग्गी की कमान संभाल रहीं थी।

लोगों की खुली रह गई आंखे

पहले तो उन्होंने अपने आवास में ही काफी देर तक भैंस- बुग्गी की सवारी की। लेकिन थोड़ी ही देर में वे सड़क पर निकल आईं और काफी देर तक भैंसा-बुग्गी चलाती रहीं। लोगों ने जब यह नजारा देखा तो उनकी आंखे खुली रह गईं। लोग डीएम के इस अनोखे अंदाज को देखकर काफी खुश नजर आ रहे थे। हालाकि उनके साथ उनकी सुरक्षा में कुछ पुलिस कर्मी और अधिकारी भी साथ में रहे।

बरसो की तमन्ना हुई पूरी

डीएम सेल्वा कुमारी जे. ने इस पल को ट्वीटर पर साझा करते हुए लिखा कि काफी सालों से सोच रही थी कि भैंसा- बुग्गी की सवारी करूंगी। खासकर जबसे मेरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश मे तबादला हुआ था। लेकिन संभव नहीं हो पा रहा था। कहा कि भैंसा- बुग्गी की सवारी करके बड़ा ही आनंद आया। मेरी बरसो पुरानी तमन्ना पूरी हो गई।

लोगों ने की तारीफ

इनके इस अंदाज को देखकर लोग इनकी तारीफ करने लगे। ट्वीटर पर तो जैसे कमेंट की बाढ़ सी आग गई हो। लोग इनके इस अंदाज से काफी प्रभावित हुए हैं और जिलाधिकारी की तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ युजरों ने कमेंट बाक्स में भैंसे बुग्गी के साथ अपनी भी फोटो शेयर करने लगे हैं।

भारत में नेपाली नागरिकों का आधार बनाने वाले तीन गिरफ्तार, फर्जी दस्तावजों से होता था खेल

गोरखपुर । महराजगंज जिले के फरेंदा पुलिस और साइबर सेल ने नेपाली नागरिकों का आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर सरगना समेत तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। दो आरोपित सोनौली और एक गोरखपुर का है। शातिरों के पास से फरेंदा के डाकघर की आधार आइडी और उससे संबंधित रबर का थंब इंप्रेशन मिला है। इसके बाद पुलिस विभागीय कर्मचारी बताए जा रहे एक युवक से भी पूछताछ कर रही है।

गोरखपुर के कैंपियरगंज में बनाते थे आधार, फर्जी मुहर से तैयार करते थे जरूरी दस्तावेज

रविवार की देर शाम पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने बताया कि नेपाली नागरिकों का आधार बनने की शिकायत मिली थी। फरेंदा के निरीक्षक गिरिजेश उपाध्याय व साइबर सेल प्रभारी मनोज कुमार पंत की टीम ने सोनौली के वाल्मीकिनगर निवासी दिलशाद, गोरखपुर के कैंपियरगंज के भौराबारी निवासी विमलेश विश्वकर्मा और सोनौली निवासी आटो चालक अमरनाथ को गिरफ्तार किया है। सरगना दिलशाद सोनौली अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मनी एक्सचेंज का काम करता है। वह एक नेपाली नागरिक से 10 हजार रुपये लेकर आटो चालक अमरनाथ के जरिए उन्हें गोरखपुर के भौराबारी लाता था। यहां विमलेश विश्वकर्मा

की मोबाइल शाप में फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनका आधार पंजीयन कराया जाता था। अमरनाथ ही नेपाली नागरिकों को वापस लेकर जाता था।

यहां से हुई गिरफ्तारी

रविवार को अमरनाथ छह नेपाली नागरिकों को भौराबारी लेकर जा रहा था। उसे फरेंदा बाईपास के पास गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर भौराबारी से विमलेश और सोनौली से दिलशाद को गिरफ्तार किया गया। बरामद साक्ष्यों के अनुसार शातिर 100 से अधिक नेपाली नागरिकों को आधार दे चुके हैं। ये आधार फरेंदा डाक विभाग को जारी आइडी पर जेनरेट किए गए हैं। तीनों आरोपितों पर जालसाजी, धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज बनाने समेत आइटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है।

यह हुई बरामदगी

60 हजार रुपये, 13 ग्राम व नगर पंचायतों की मुहर, छह लैपटाप, चार ड्क्षप्रटर, एक स्कैनर, एक फोटो विजन, दो ड्क्षफगर व एक रेटिना स्कैनर, तीन एडाप्टर, पांच मोबाइल, एक जीपीएस लोकेटर, एक हार्डडिस्क, एक कैमरा, एक माइक, एक रबर थंब इंप्रेशन, तीन सादे कागजों पर नेपालियों के मूल हस्ताक्षर, छह फोटो, दो लैपटाप बैग, नेपाली नागरिक का एक भारतीय वोटर कार्ड, नेपाली नागरिकों के तैयार दो आधार कार्ड, एक आटो, तीन सिमकार्ड।

बिहार सरकार पर नाराज तेलंगाना के पूर्व डीजीपी बोले- महापरिवर्तन आंदोलन से बदलेगी राज्य की तस्वीर

मोहनियां (भभुआ)। जब भी समाज में संकीर्णता के आधार पर विघटन होता है और हम स्वार्थी और खुदगर्ज बनते हैं, तब तब मूल्यों का ह्रास होता है। इससे व्यवस्था टूटने लगती है। समाज में अराजकता पैदा होती है। हमें दर्द और दुख होता है। बिहार जैसे गौरवशाली राज्य की बदहाली से सभी लोग दुखी हैं। यह हमारे राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक पतन का प्रतीक है। यह बातें तेलंगाना के पूर्व डीजीपी वीके सिंह ने रविवार को डड़वां में अनुमंडल स्तरीय बैठक में कही।

उन्होंने कहा कि 15 साल की सामाजिक न्याय की सरकार और 15 साल की सुशासन की सरकार ने बिहार को इस स्थिति में ला रखा है कि हम जाति, धर्म के आधार पर लड़ रहे हैं। इससे हमारी मातृभूमि बिहार उपहास का पर्याय बन गई है। आज सम्राट अशोक का बिहार देश के पूरे 28 राज्यों में हर क्षेत्र में सबसे निचले पायदान पर है। हमें अपने भाग्य का निर्माता स्वयं बनना होगा। अगर भारत को महाशक्ति बनना है तो बिहार को महाशक्ति बनाना ही होगा। उन्होंने कहा कि यह सत्य है कि जो जितना ऊंचा समृद्ध एवं शक्तिशाली होता है उतना ही स्वार्थी होता है। इसलिए परिवर्तन एवं निर्माण की मशाल गांव वालों को ही जलानी होगी। आज सबसे बुरी स्थिति गांव वालों की ही है। यह कोई कठिन कार्य नहीं है। इसलिए उन्होंने पांच सूत्रों का रास्ता सुझाया है। इन रास्तों पर चलकर बिहार में जो परिवर्तन होगा वह आने वाली पीढ़ियां देखेंगी।

जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति के जरिए पूरे देश में प्रजातंत्र की रक्षा की थी। आज 45 साल बाद प्रजातांत्रिक पद्धति एवं प्रशासन की रक्षा के लिए हमें जगने की जरूरत है। बिहार में कोई जातिवाद नहीं है। यहां विशुद्ध स्वार्थ वाद है। जहां सभी राजनेता, अधिकारी एवं अपराधी अपनी अपनी जातियों का शोषण कर रहे हैं। आज बिहार की बदहाली के लिए जनता सीधे जिम्मेवार है। उन्होंने तेलंगाना सरकार के कुशासन के विरुद्ध भी आवाज बुलंद किया था। सरकार के मनमाने पन का विरोध किया। इसके बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर बिहार में सामाजिक क्रांति लाने का बीड़ा उठाया है। इस सामाजिक क्रांति और महा परिवर्तन आंदोलन का उद्देश्य बिहार को गरीबी,जलालत एवं बदहाली से निकालना है। हमें विवाद हीन समाज बनाना होगा।

बिहार विधानसभा में आया पालना घर का जिक्र, आधी आबादी के लिए महिला विधायक हुईं मुखर

पटना । लोकसभा और विधान सभा में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की मांग भले ही पूरी नहीं हो पाई है, मगर बिहार विधान सभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में महिला विधायकों की कुल संख्या 26 है, जिसमें बीजेपी से उप मुख्यमंत्री रेणु देवी के अलावा आठ, राजद की सात, जदयू की छह, कांग्रेस की दो और हम और वीआइपी की एक-एक महिला विधायक शामिल हैं। ये महिला विधायक महिलाओं के हक और उनकी सशक्तीकरण के लिए खास तौर पर पूरी संवेदनशीलता के साथ सजगता दिखा रही हैं।

पालना घर की उठाई मांग- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरण से बातचीत में जमुई से विधायक और इंटरनेशनल शूटर श्रेयसी सिंह ने कहा कि वे पहली बार चुनाव जीतकर विधान सभा पहुंची हैं। यहां पहले ही दिन उन्होंने कई महिलाकर्मियों को काम करते देखा। वो खुद भी आइसीडीएस की 2018-20 तक गुडविल एंबेस्डर रह चुकी हैं। जिसके कारण उन्होंने नजदीक से कामकाजी मांओं की बच्चों को लेकर चिंता देखी है। इसके बाद ही उन्हें विचार आया कि विधान सभा में भी पालना घर होना चाहिए। जिससे अपनी जिम्मेदारी निभाते वक्त कामकाजी महिलाएं बच्चों की सुरक्षा और लालन-पालन को लेकर निश्चिंत रह सकें। उन्होंने इस मुद्दे पर सदन में बहस के लिए भी आग्रह किया है।

इसी तरह जदयू की केसरिया से विधायक शालिनी मिश्रा भी पहली बार सदन पहुंची हैं।

नई दिल्ली में चल रहे बजट सत्र के दौरान संसद में समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव और जया बच्चन के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ।

पुलिस थाना परिसर में पुलिसकर्मी ने महिला से किया दुष्कर्म, आरोपित निलंबित

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक तरफ तो महिला सशक्तिकरण और पुलिस थाने में प्रत्येक रिपोर्ट दर्ज करने का नारा देते हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के अलवर जिले में पुलिसकर्मी द्वारा थाने में अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज कराने आई महिला से दुष्कर्म किया। अलवर जिले में खेड़ली पुलिस थाने में तैनात सहायक उप निरीक्षक भरत सिंह ने तीन दिन तक महिला के साथ दुष्कर्म किया। उसने यह दुष्कर्म थाना परिसर में बने स्टाफ क्वार्टर में किया।

मामला सामने आने के बाद थाने में पहुंचे जयपुर रेंज के महानिरीक्षक हवा सिंह घुमरिया और पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने आरोपित भरत सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 में दुष्कर्म का मामला दर्ज करने के निर्देश दिए। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है । आरोपित की मदद करने वाले थाने में तैनात हेड कांस्टेबल प्रकाश चंद को निलंबित कर दिया गया। आरोपित तीन दिन से पीड़िता के साथ दुष्कर्म कर रहा है, लेकिन मामले का खुलासा रविवार देर रात करीब 11 बजे हुआ। दो सप्ताह में पुलिसकर्मियों पर महिला के साथ दुष्कर्म का यह दूसरा मामला है।

इससे पहले 2 मार्च को अलवर के अरावली विहार पुलिस थाने में तैनात पुलिसकर्मी रामजीत गुर्जर पर दुष्कर्म का आरोप लगा था, वह निलंबित है।

पुलिस के अनुसार 2 मार्च को 26 साल कर महिला खेड़ली पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज कराने आई थी। महिला का कहना था कि पति उसे तलाक देना चाहता है, लेकिन वह ऐसा नहीं चाहती। इस पर थाने में मौजूद भरत सिंह ने उसे विश्वास दिलाया कि वह पति की कॉउसिलिंग करेगा और उसे ऐसा नहीं करने के लिए तैयार करेगा। बातों ही बातों में वह महिला को सबसे पहले 2 मार्च को ही थाना परिसर में अपने स्टाफ क्वार्टर में ले गया। जहां उसे महिला के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद 3 व 4 मार्च को फिर उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया। रविवार शाम एक बार फिर महिला पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत लेकर गई तो भरत सिंह उससे छेड़छाड़ करने लगा। इस पर वह वहां से भाग निकली और थाने में पहुंची। इसी दौरान थाने में मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने पुलिस अधीक्षक तक मामले की जानकारी पहुंचाई। पुलिस अधीक्षक ने महानिरीक्षक को जानकारी दी और फिर इसके बाद देर रात 11 बजे दोनों खेड़ली पुलिस थाने पहुंचे। आधी रात तक कार्रवाई की गई और रात 12 बजे आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पीड़िता ने चिकित्सक से मेडिकल कराने से इनकार कर दिया है। लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए भरत सिंह को गिरफ्ताार किया गया है ।

एक नजर

बढ़ रही है औद्योगिक दुर्घटना के कारण मृतकों की संख्या, देश में प्रति 15 सेकेंड में एक मौत

भुवनेश्वर । इस साल राज्य में औद्योगिक दुर्घटना के कारण होने वाली मृत्यु संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2019 में 32 श्रमिक की मौत हुई थी जबकि 2020 में यह संख्या बढ़कर 46 तक पहुंच गई है। लॉकडाउन के समय कारखाना बंद थे, मगर खुलते ही अनेकों कारखाना में तकनीकी गड़बड़ी के कारण दुर्घटना हुई और श्रमिकों की जान चली गई। राज्य में औद्योगिक दुर्घटना एवं मृत्यु संख्या जीरो करने के लिए सरकार ने लक्ष्य रखा है मगर अब तक सरकार को इसमें सफलता नहीं मिली है। सरकारी तथ्य के मुताबिक 2019 में सामान्य औद्योगिक दुर्घटना के 545 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें 32 श्रमिकों की मौत हुई है। एक आकंड़े के मुताबिक 2010 में औद्योगिक दुर्घटना से 121 लोगों की जान चली गई थी जबकि 2012 में 78 एवं 2018 में 42 श्रमिकों की जान गई है। कारखानों में श्रमिक सुरक्षा संबन्धित जांच नहीं की जा रही है, जिसके चलते दुर्घटना एवं मृतकों की संख्या में इजाफा होने का अनुमान लगाया गया है। प्राकृतिक संसाधन से भरपूर ओडिशा में औद्योगिक से संबन्धित दुर्घटना कम करने एवं श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सरकार ने कानून बनाया है। हालांकि इस कानून का सही ढंग से अनुपालन नहीं होने के आरोप लगते रहे हैं। किसी उद्योग एवं खदान में दुर्घटना होने से श्रमिकों की मृत्यु होने पर सरकार कार्रवाई स्वरूप जांच कर कुछ दिन के लिए उद्योग को बंद कर अपने दायित्व का इतिश्री कर लेती है। अनेकों कारखाना के अधिकारी श्रमिक सुरक्षा को महत्व नहीं देने के उदाहरण विद्यमान है।

प्रति 15 सेकेंड में एक व्यक्ति की मौत- 2019 परिसंख्यान रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में सामान्य औद्योगिक दुर्घटना 493, महाराष्ट्र में 218, मध्य प्रदेश में 91, हरियाणा में 91 तथा उत्तर प्रदेश में 69 दुर्घटना हुई है। यांत्रिक दुर्घटना दिल्ली में 984 हुई है जबकि महाराष्ट्र में 837, गुजरात में 336, राजस्थान में 333 तथा मध्य प्रदेश में 275 दुर्घटना हुई है। भारत में 3900 श्रमिक औद्योगिक दुर्घटना में घायल हुए थे, जिसमें से 500 श्रमिकों की मौत हुई है। असुरक्षित कार्य के कारण प्रति 15 सेकेंड में एक व्यक्ति की मौत हो रही है। इस संदर्भ में आईक्यूइएमएस के संचालन निदेशक देवव्रत पाणीग्राही ने कहा है कि औद्योगिक दुर्घटना में श्रमिक मृत्यु के कारण परिवार, राज्य एवं राष्ट्र की संपत्ति को भारी नुकसान होता है। औद्योगिक दुर्घटना से होने वाली मौत को शून्य करने के लिए ओडिशा राज्य सुरक्षा कनक्लेव कार्य कर रहा है। कारखाना वाष्पित निदेशालय के उपनिदेशक मनोज पंडा ने कहा है कि कोरोना के लिए लॉकडाउन लगाया था। उस समय कारखाना बंद थे। खुलने के बाद यांत्रिक गड़बड़ी के कारण दुर्घटना हुई है और पिछले साल की तुलना में मृत्यु संख्या में इजाफा हुआ है। राज्य स्तरीय एवं प्रत्येक डिवीजन स्तर पर औद्योगिक संस्थान को बुलाकर बैठक की जा रही है। स्थिति में सुधार आ जाने की उम्मीद है।

कश्मीर में 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित, 125 लड़कियों समेत 155 बच्चों ने टॉप 10 में जगह बनाई

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन ने कश्मीर संभाग के 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम आज घोषित कर दिए। परीक्षा परिणाम 82 प्रतिशत से अधिक रहा। एक बार फिर लड़कों के मुकाबले लड़कियों ने बाजी मार ली है। घोषित परीक्षा परिणाम के अनुसार सभी चार स्ट्रीम में लड़कियों ने भी शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। पहली दस पोजीशन हासिल करने वाले 155 विद्यार्थियों में 125 लड़कियां जबकि मात्र 30 लड़के शामिल हैं।

बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार 12वीं की परीक्षा देने वाले 58397 विद्यार्थियों में 30960 लड़के जबकि 27437 लड़कियां शामिल थीं। इनमें 46987 विद्यार्थी ही सफल घोषित किए गए हैं। यानी पास होने वाले विद्यार्थियों में 24291 लड़के और 22696 लड़कियां शामिल हैं। पास प्रतिशत में लड़कों ने भले बाजी मारी हो परंतु साइंस, कामर्स, आर्ट्स और होम साइंस में पोजीशनल हासिल करने वाले 155 छात्रों में लड़कियों की संख्या अधिक है। गत वर्ष कोविड-19 महामारी के बीच जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए बोर्ड ने घाटी में यह परीक्षाएं आयोजित की थी। जिसके परिणाम आज सोमवार सुबह घोषित कर दिए गए। साइंस स्ट्रीम में पहली 10 पोजीशन हासिल करने वाले 124 छात्र हैं। इनमें 94 लड़कियां, 30 लड़के शामिल हैं। कामर्स में पहली 10 पोजीशन हासिल करने वाले 23 छात्रों में 17 लड़कियां और छह लड़के शामिल थे। आर्ट्स में तो पूरी तरह लड़कियों का ही दबदबा रहा। इसमें पहली दस पोजीशन हासिल करने वाली सभी 21 लड़कियां ही हैं। इसी तरह होम साइंस स्ट्रीम में भी पहली दस पोजीशन हासिल करने वाली लड़कियां ही हैं। एजुकेशन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार साइंस स्ट्रीम में चार छात्रों ने 100 प्रतिशत अंक हासिल करके प्रथम स्थान हासिल किया। उनमें कैंडिड हायर सेकेंडरी स्कूल, नौगाम की अमल सईद पुत्री मोहम्मद सईद मीर, इकबाल मेमोरियल इंस्टीट्यूट की हायर सेकेंडरी स्कूल बेमिना की हफ्सा मलिक पुत्री अली मोहम्मद मलिक, कश्मीर हार्वर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल हबाक नसीम बाग श्रीनगर की इशरत मुजफ्फर पुत्री मोहम्मद मुज़फ्फर मलिक और सलफिया मुस्लिम इंस्टीट्यूट पारेपोरा श्रीनगर की जैनब कादरी पुत्री अब्दुल मजीद कादरी शामिल हैं। इसके अलावा 500 में से 498 अंक हासिल करने वाले 9 विद्यार्थियों में छह लड़कियां व तीन लड़के शामिल हैं। इसी तरह 497 अंक हासिल करने वाले छह विद्यार्थियों में छह लड़कियां हैं, जिन्होंने साइंस स्ट्रीम में पांचवीं पोजीशन हासिल की।

पशु तस्करी मामले में कोलकाता पुलिस के IG और SP रैंक के अधिकारी तलब

कोलकाता । केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआइ के एक अधिकारी ने बताया कि पशु तस्करी मामले में सीबीआइ ने कोलकाता पुलिस के ढृत्त और स्करैंक के अधिकारियों को तलब किया है। जानकारी के मुताबिक, दोनों सीनियर अधिकारियों को सोमवार को पेश होने की जानकारी दे दी गई थी। इससे पहले अधिकारियों ने शनिवार को पशु तस्करी मामले में टीएमसी के नेता बिनय मिश्रा के भाई बिजय मिश्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। वहीं, केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बिनय मिश्रा को भी पिछले महीने पशु तस्करी मामले में दायर अपनी पूरक आरोप पत्र में सह-अभियुक्त के रूप में नामित किया।

नंदीग्राम सीट पर बड़े चेहरे को उम्मीदवार बनाने की तैयारी में वाममोर्चा, पेंचीदा हो सकता है मुकाबला

कोलकाता । कभी लेफ्ट फ्रंट का गढ़ रही बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम सीट पर वाममोर्चा भी किसी बड़े चेहरे को अपना उम्मीदवार बनाने के बारे में विचार कर रहा है। बंगाल चुनाव पर पूरे देश की नजर है। राज्य में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच चुनावी घमासान होना तय है। इस चुनाव में सबसे ज्यादा सुर्खियां जो सीट बंटोर रही है वो है नंदीग्राम। नंदीग्राम में तृणमूल कांग्रेस से खुद ममता बनर्जी और भाजपा से सुवेंदु अधिकारी चुनाव मैदान में हैं। हालांकि मजेदार बात ये हैं कि इस सीट पर चुनाव अभी और भी ज्यादा पेंचीदा हो सकता है।

गंदी राजनीति से न्याय की लड़ाई तक

वाममोर्चा ने इस बारे के संकेत दिए कि वो नंदीग्राम सीट पर कांग्रेस और इंडिया सेक्यूलर फ्रंट-आइएसएफ के समर्थन से पूरे समर्थन से अपना प्रत्याशी उतार सकती है। माकपा (एम) के नेता मोहम्मद सलीम ने मीडिया को बताया कि नंदीग्राम से वाममोर्चा का उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा, जिसे कांग्रेस और आइएसएफ का पूरा समर्थन हासिल होगा। लोग देखेंगे

कि कैसे ये मुकाबला गंदी राजनीति से उठकर न्याय की लड़ाई की तरफ जाएगा। वाममोर्चा का कहना है कि दोनों ही पार्टियां हिंसा में विश्वास रखती हैं और एक ही सिक्के के दो पक्ष हैं। सलीम ने कहा कि तृणमूल के सभी पूर्व लोग आधुनिक भाजपा बन गए हैं। टीएमसी और भाजपा एक दूसरे से सलाह लेने के बाद काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उनका गोदाम एक ही है, हालांकि, शोरूम अलग है।

संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार

मीडिया से बातचीत करते हुए वाममोर्चा के चेयरमैन विमान बोस ने कहा कि संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार की गई है, अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। बता दें कि साल 2011 से पहले लेफ्ट का गढ़ रही नंदीग्राम सीट को होल्ड पर डाल दिया गया था क्योंकि आइएसएफ ने यहां से उम्मीदवार उतारने की इच्छा जताई थी। पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन भरने की अंतिम तारीख 9 मार्च है, जबकि दूसरे चरण के लिए 12 मार्च है।

अभी तक लेफ्ट, कांग्रेस और आइएसएफ गठबंधन द्वारा नंदीग्राम, पिंगला, इग्रा और दासपुर जैसी महत्तवपूर्ण सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान किया जाना बाकी है। पिछले चुनाव में, सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम सीट जीती थी जो उन्होंने टीएमसी के बैनर तले लड़ी थी। इसबार ममता बनर्जी भवानीपुर की जगह नंदीग्रास से चुनाव मैदान में हैं, इसलिए टीएमसी से भवानीपुर से शोभनदेब चटर्जी को चुनाव मैदान में उतारा है।

महाविकास अघाड़ी सरकार का दूसरा बजट, विधानमंडल के दोनों सदनों में होगा पेश

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार का वार्षिक बजट सोमवार को विधानमंडल के दोनों सदनों में पेश होगा। उप मुख्यमंत्री अजित पवार विधानसभा व वित्त राज्यमंत्री शंभूराद देसाई विधान परिषद में दोपहर 2 बजे वर्ष 2022-22 का बजट पेश करेंगे। महा विकास अघाड़ी सरकार का ये दूसरा बजट है। पिछले वर्ष, अजीत पवार ने 9,500 करोड़ रुपये के घाटे का बजट पेश किया था। वित्त मंत्री के सामने इस बार कोरोना संकट, कर्ज का बोझ, सरकारी खजाने में कमी, करों को बढ़ाए बिना राजस्व घाटे को कम करना, ऐसे कई मुद्दे चुनौती के तौर पर खड़े हैं।

उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने रविवार को बताया कि इस वर्ष महाराष्ट्र के बजट में एक लाख करोड़ रुपये की कमी हो सकती है। पवार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि केंद्र सरकार को 'एक राष्ट्र, एक कर' कार्यक्रम के तहत इस वर्ष के लिये महाराष्ट्र को 25 हजार करोड़ रुपये का बकाया जारी करना अभी शेष है। लेकिन अब पैसा भेजना शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया इस तरह की कमियां भविष्य में होने वाले विकास कार्यों पर प्रभाव डालती हैं।

मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में विकास दर में 8 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वर्ष के बजट का झुकाव गांव, गरीब, किसान, महिलाओं, युवाओं की तरफ हो सकता है। बता दें कि इस वर्ष राज्य में कई महानगरपालिकाओं के चुनाव भी होने वाले हैं। इन शहरों में के लिए इस बजट में ज्यादा पैसा मिल सकता है। कोरोना संक्रमण का कहर दोबारा इस राज्य पर मंडराना शुरू हो गया है जिसे देखते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी अधिक ध्यान देने की जरूरत है। कोरोना महामारी के चलते राज्य में नई योजनाओं को लेकर कटौती हो

कश्मीरी पंडित चाहते हैं विधानसभा में अपनी भागीदारी

जम्मू । पिछले 30 साल से विस्थापन का दर्द झेल रहे कश्मीरी पंडितों की नजर अब जम्मू कश्मीर विधानसभा में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने की ओर है।यही कारण है कि कश्मीरी पंडित समाज अब विधानसभा में पांच सीटें आरक्षित किए जाने की मांग उठा रहा है। इसको लेकर कश्मीरी संगठनों की आपस में बैठकें हो रही हैं ताकि अपनी इस मांग को सशक्त तरीके से उठाया जा सके।

नगरोटा जगटी में विस्थापित कश्मीरी पंडितों के हक के लिए संघर्ष कर रहे शादी लाल पंडिता ने कहा कि पिछले तीस साल से कश्मीरी पंडित कश्मीर में अपने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए जम्मू या ऊधमपुर के मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डालते रहे हैं। इस उम्मीद से कि चुनाव जीतने के बाद यह प्रतिनिधि कश्मीरी

पंडितों की बात को उठाएंगे। लेकिन वोट लेकर जीतने वाले पलट कर भी नही देखते।

ऐसे में कश्मीरी पंडितों के हक की आवाज वहीं की वहीं रह जाती है। इसलिए विधानसभा में कश्मीरी पंडितों का अपना प्रतिनिधि होना बेहद जरूरी है। वहीं कश्मीरी पंडितों की संस्था पनुन कश्मीर के प्रधान विरेंद्र रैना का कहना है कि कश्मीरी पंडितों के विकास के लिए अब विधानसभा में भागेदारी चाहिए। इसलिए घाटी में जहां जहां कश्मीरी पंडितों की अच्छी आबादी रही है, वहां की सीटें कश्मीरी पंडितों के लिए आरक्षित की जानी चाहिए।

यूथ आल इंडिया कश्मीरी समाज के प्रधान आरके भट्ट ने कहा कि पिछले तीस साल से कश्मीरी पंडित वोट तो अपने विधानसभा के लिए डालते हैं। मगर जिसको वोट डाल रहे हैं, उसका भी सही तरीके से कोई परिचय समाज के साथ नही होता। लेकिन कश्मीरी पंडित भले ही अब पलायन कर विस्थापित बन चुका है, मगर वह वोट आज भी अपनी विधानसभा के लिए डालता है। लेकिन इसमें कश्मीरी पंडितों का विकास कहां हैं।

वोट ले लिए जाते हैं और जीतने वाला प्रतिनिधि कश्मीरी पंडितों की आवाज नही उठाता। अब समय आ गया है कि कश्मीरी पंडितों को विधानसभा में आरक्षण चाहिए।

अब जम्मू की आवाज तय करेगी सूबे की सियासत के सुर! तेज हुई चर्चा

जम्मू । अनुच्छेद 370 से मुक्ति के साथ निश्चित तौर पर जम्मू भी आजाद हो गया। आजादी कश्मीरी प्रभुत्व और एजेंडे से और कट्टरवादी सोच से। यही वजह है कि अब जम्मू न सिर्फ अपनी आवाज बुलंद कर रहा है, बल्कि प्रदेश ही नहीं पूरे देश की सियासत को नई दिशा देने को तैयार है। यही वजह है कि यहां के सियासतदान अब किसी राजनीतिक एजेंडे या विचार के लिए कश्मीर की तरफ नहीं देखना चाहते। वह अपना एजेंडा और अपने विचार लेकर आगे बढना चाहते हैं। ऐसी सियासत जिसमें सिर्फ जम्मू ही नहीं पूरे जम्मू कश्मीर की सियासत को नई दिशा दी जाए। यही कारण है कि आजकल जम्मू डिक्लेरेशन की स्थानीय सियासी हलकों और बुद्धिजीवियों में चर्चा हो रही है।

जम्मू डिक्लेरेशन का विचार जम्मू के नगरोटा के पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह राणा ने दिया है और इस पर खुलकर बहस हो रही है।

नेशनल कांफ्रेंस के जम्मू संभाग के प्रधान देवेंद्र सिंह राणा के मुताबिक अब आगे बढने का समय आ चुका है। जम्मू ही सही मायनों में सांप्रदायिक सौहार्द और बहुलवादी संस्कृति का प्रतिबिंब है। हमारा मकसद है कि जम्मू से ऐसी आवाज निकले जो राष्ट्रीय एकता, अखंडता को मजबूत बनाने के साथ जम्मू कश्मीर के हितों को सुनिश्चित बनाए। यहां जो विभिन्न वर्गों में नफरत और अविश्वास का माहौल बना है, वह दूर हो। जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के साथ सभी हितों को सुनिश्चित बनाएं।

वह कहते हैं कि हम हमेशा ही कश्मीर की तरफ क्यों देखें, कश्मीर से ही जम्मू कश्मीर का एजेंडा तय नहीं होना चाहिए। जम्मू को पूरे प्रदेश का एजेंडा तय करना चाहिए। मैं हर प्रदेश और हर नागरिक को सशक्त बनाने की बात करता हूं। सवाल नेशनल कांफ्रेंस, भाजप, कांग्रेस, पीडीपी का नहीं है, सवाल जम्मू कश्मीर की अवाम का है। गुपकार डिक्लेरेशन को आप सियासत से जोड़ सकते हैं, लेकिन जम्मू डिक्लेरेशन को नहीं। पूरे प्रदेश की सिविल सोसायटी, बुद्धिजीवी, लेखक और सियासतदान तक मेरे विचार का समर्थन कर रहे हैं।

कश्मीर में बहुत से लोग इसे सही ठहरा रहे हैं। डा. फारूक अब्दुल्ला या उमर अब्दुल्ला को इससे कोई एतराज नहीं है। जल्द मैं एजेंडे पर जनसंपर्क अभियान चलाने जा रहा हूं ताकि सभी की राय से इसे एक रूप देकर आगे बढ़ाया जाए। जम्मू से उठने वाली आवाज जल्द पूरे देश में सुनी जाएगी।

जम्मू को बांटने की साजिश न हो :जम्मू कश्मीर मामलों के विशेषज्ञ प्रो हरि ओम ने कहा कि पहले यह तो पता चले कि इसका मूल एजेंडा क्या है। राणा ने जो कहा है अगर उस पर यकीन करें तो हम कह सकते हैं कि जम्मू अब कश्मीर का पिछलग्गू नहीं रह गया है। कहीं ऐसा तो नहीं कि वह मौजूदा हालात में दरकिनार हुई नेशनल कांफ्रेंस व उसके नेताओं की सियासत के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं। जम्मू डिक्लेरशनल की आड़ में जम्मू प्रांत को बांटने की साजिश नहीं होनी चाहिए।

जम्मू कश्मीर मामलों के जानकार आसिफ कुरैशी ने कहा कि जम्मू डिक्लेरेशन का कोई स्पष्ट प्रारूप सामने नहीं आया है। इसे लेकर जिस तरह से बहस हो रही है और जिस तरह से विभिन्न वर्गों के साथ आमराय बनाई जा रही है, वह स्वागतयोग्य है। जम्मू डिक्लेशन भी सियासी है, लेकिन आप पूरी तरह सियासत से नहीं जोड़ सकते। अभी यह मात्र विचार है,यह क्या आकार लेता है, यह देखना बहुत जरूरी है।

कहां निशाना साध रहे हैं : अजात

जम्मू कश्मीर यूनिटी फाउंडेशन के अध्यक्ष अजात जम्वाल ने कहा कि राणा जिस तरह से दावा कर रहे हैं, उससे उनकी नेकनीयती नजर आती है। इसके पीछे वह कहां निशाना साध रहे हैं, फिलहाल वही जानते होंगे। कल तक कश्मीरी नेताओं के पीछे चलते हुए उनके एजेंडे पर काम करने वाले जम्मू के सियासतदान अपना एजेंडा खुद तय कर रहे हैं।

डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की साहसिक मुहिम

जोधपुर । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विश्वस्तरीय नामचीन अमेरिका की चॉकलेट कंपनी हर्शी के अनूठे हर-शी कैंपेन में भारत से सूर्यनगरी की पुनर्वास मनोवैज्ञानिक व सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. कृति भारती को शामिल किया। कंपनी ने हर-शी कैंपेन में चॉकलेट का स्पेशल एडिशन लांच किया। जिसमें चॉकलेट के कवर व स्लीव पर डॉ. कृति भारती की तस्वीर के साथ बाल विवाह निरस्त व रोकथाम की साहसिक मुहिम को बखूबी चित्रण कर उकेरा गया है। वुमेन डे के अवसर पर अब कंपनी स्पेशल एडिशन चॉकलेट फ्री में वितरित करेगी। अंतरराष्ट्रीय चॉकलेट निर्माता कंपनी हर्शी ने ब्राजील के बाद इस साल भारत मे महिला दिवस पर हर-शी कैंपेन चलाया। जिसमें डॉ. कृति भारती को बाल विवाह निरस्त व रोकथाम की अनूठी साहसिक मुहिम के लिए चुना गया।

कंपनी ने कैंपेन में हर-शी राईजेज टाइटल से चॉकलेट का स्पेशल एडिशन लांच किया। जिसमें जोधपुर के सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती की चॉकलेट फ्रंट कवर पर तस्वीर चित्रण कर उकेरी गई। जिसके साथ ही जाको राखे साइयां मार सके ना कोई स्लोगन दिया गया। चॉकलेट के कवर बैक पर डॉ. कृति के जीवन संघर्ष, संघर्ष से उबरने से लेकर बाल विवाह निरस्त व रोकथाम की मुहिम की उकेरा गया है। संभवत- किसी अंतरराष्ट्रीय चॉकलेट ब्रांड ने पहली बार भारत से किसी सोशल एक्टिविस्ट के सम्मान में स्पेशल चॉकलेट एडिशन लांच किया है। इससे पहले रीबोक कंपनी ने भी डॉ. कृति भारती के सम्मान में स्पेशल शूट करवाकर सोशल मीडिया कैंपेन चलाया था।

डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम- जोधपुर की निवासी डॉ. कृति भारती ने देश का पहला बाल विवाह निरस्त करवाकर अनूठी साहसिक पहल की थी। जिसे लिंका बुक और वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया व सीबीएसइ पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया। डॉ. कृति ने अब तक 41 जोड़ों के बाल विवाह निरस्त करवाए हैं।

डॉ. कृति भारती को यूएसए की टैफेड मैगजीन ने वर्ल्ड टॉप 10 एक्टिविस्ट सूची में शुमार किया। अंतरराष्ट्रीय संगठन पिक्सेल प्रोजेक्ट्स ने विश्व की 16 रोल मॉडल और 100 प्रेरणादायक महिलाओं की सूची में शामिल किया था। अंतरराष्ट्रीय संगठन गर्ल्स नॉट ब्राइट की ओर चेंज मेकर सम्मान, लंदन में अंतराष्ट्रीय सम्मान ग्लोबल अवॉर्ड, मारवाड़ रत्न, मेवाड़ रत्न सहित कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

नई दिल्ली में विजय चौक पर मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और अन्य।

आमिर खान और एली अवराम

की रोमांटिक जोड़ी, सुर्खियों में है मिस्टर परफेक्शनिस्ट का pcoming song

बॉलीवुड के हरफनमौला कलाकार आमिर खान (Aamir Khan) का रोमांटिक अंदाज एक बार फिर दिखने वाला है. लंबे समय से स्क्रीन से गायब आमिर को जल्द ही दर्शक देख पाएंगे. आमिर के एक गाने का लुक फैंस के लिए सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है. टी सीरीज ने इस गाने की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिखाई है. मिली जानकारी के मुताबिक बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर ने इस गाने का लुक खुद ही डिजाइन किया है. इस गाने में आमिर के साथ एली अवराम (Elli avrram) हैं.

टी सीरीज के बैनर तले आमिर खान का एक नया गाना 'फिदाई' आने वाला है. इस गाने का लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है. इस गाने में आमिर पहली बार एक्ट्रेस एली अवराम के साथ रोमांस करते नजर आने वाले हैं. इस गाने का रिलीज लुक बेहद दिलकश दिख रहा है. इसमें आमिर खान ने एली अवराम को अपनी बाहों में लिया हुआ है. आमिर और एली का रोमांटिक अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है. सोशल मीडिया पर फैंस के लिए फोटो शेयर करते हुए टी सीरीज ने कैप्शन लिखा है कि 'चारो तरफ फन है! #KoiJaaneNaMovie से स HarFunnMaula की एक झलक. यह गाना 10 मार्च को आ रहा है'.

मीडिया की खबरों के मुताबिक, आमिर खाने ने इस गाने की शूटिंग अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा के बीच में की है. आमिर ने अपने तय शेड्यूल से एक ब्रेक लेकर इसे जयपुर में शूट किया है. कहा जा रहा है कि आमिर ने अपने करीबी दोस्त अमीन हाजी की मदद करने के लिए ऐसा किया. अमीन इस गाने के साथ डायरेक्शन में कदम रख रहे हैं.

वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' के बाद फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में दिखेंगे. आमिर इन दिनों 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग कर रहे हैं. 'लाल सिंह चड्ढा' हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का हिंदी वर्जन है. इस फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर लीड रोल में हैं.

भूमि पेडनेकर के साथ काम करना चाहते थे राजकुमार राव, फिर दोनों 'बधाई दो' पर झपट पड़े

एक्टर राजकुमार राव (Rajkummar Rao) ने अपने हर नए किरदार में अपने अभिनय-कौशल की झलक दी है. फिर वह ओमेर्टा में खूंखार आतंकवादी शाहिद का रोल हो या फिर बरेली की बर्फी में भोला-भाला प्रीतम. उन्होंने अपने हरेक किरदार से दर्शकों को चौंकाया है. यह जबरदस्त अभिनेता अब अपनी फिल्म बधाई दो (Badhaai Do) में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे. वे हर्षवर्धन कुलकर्णी की फिल्म का हिस्सा बनने से काफी रोमांचित हैं. खासकर जब उन्हें पहली बार पुलिसवाले के रोल में लिया गया है.

जब से 'बधाई हो' के सीक्वल की घोषणा हुई है, तब से फिल्म के फैंस इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. जब से फिल्म में राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर (Bhumi Pednekar) के बतौर लीड एक्टर शामिल होने की खबर आई है, तबसे फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं.

फिल्म में सिपाही शार्दुल ठाकुर का किरदार निभाने वाले राजकुमार राव ने भूमि के साथ काम करने के बारे में अपने विचार शेयर करते हुए कहा, भूमि के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा है. वह बेहद टैलेंटेड हैं और मैं उनके काम को देख रहा हूं. बतौर एक्ट्रेस उन्होंने काफी प्रोग्रेस किया है. मैं उनके साथ काम करना चाह रहा था और मुझे अच्छी स्क्रिप्ट नहीं मिल रही थी. फिर बधाई दो हमारे रास्ते आई और हम दोनों उस पर झपट पड़े. बता दें कि भूमि फिल्म में एक पीटी टीचर का रोल निभा रही हैं.फिल्म बधाई हो 2018 की सबसे सफल फिल्म थी और इसे 2019 में राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था. फिल्म को यह सम्मान इसकी अलग, लेकिन असरदार पटकथा के लिए मिला था. यह देखना वाकई में मजेदार होगा कि इसकी दूसरी किस्त पर्दे पर किस तरह परफॉर्म करती है.बता दें कि राजकुमार राव इसके अलावा हॉरर कॉमेडी मूवी रूही (Roohi)' में नजर आएंगे. इसमें जाह्नवी कपूर और वरुण शर्मा भी अहम रोल निभा रहे हैं. इस फिल्म को स्त्री का दूसरा भाग कहा जा रहा है, जो 2018 में रिलीज हुई थी. यह फिल्म 11 मार्च, 2021 को रिलीज की जाएगी. इसका निर्देशन हार्दिक मेहता ने किया है.

अनुष्का शर्मा ने बताया- क्रिकेट पिच के बाहर विराट कोहली, शांत लोगों में एक हैं

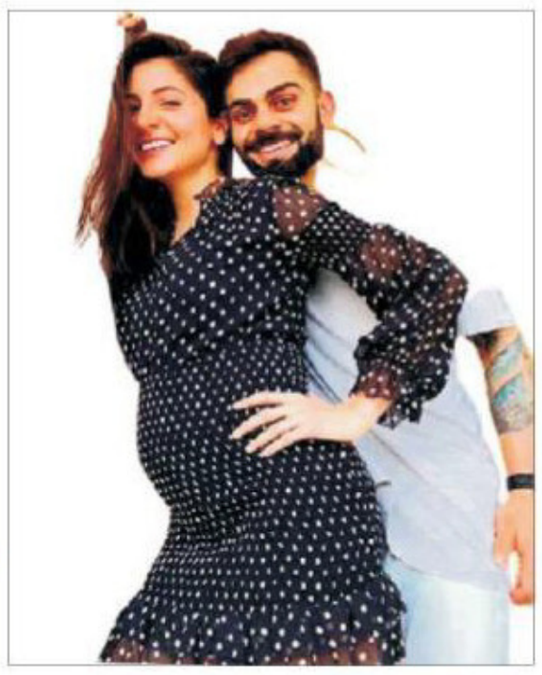

इंडियन क्रिकेट टीम (Indian Cricket Team) के कैप्टन विराट कोहली (Virat Kohli) की आक्रामकता क्रिकेट पिच पर देखते ही बनती है. विराट की आक्रामकता जग जाहिर है. विराट कोहली अपने करियर की शुरुआत से ही मैदान में कुछ ज्यादा ही आक्रामक दिखायी पड़ते हैं. इस वजह से कई बार आलोचना का भी शिकार हो चुके हैं.

अपनी बल्लेबाजी का कमाल दिखा अपने फैंस को खुश करने वाले विराट कई बार बता चुके हैं कि उनकी जिंदगी और नेचर में बदलाव लाने का क्रेडिट उनकी बीवी अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) को है. देश के टॉप सेलिब्रिटी कपल्स में से एक विराट और अनुष्का हमेशा एक दूसरे की तारीफ करते नजर आते हैं. हाल ही में ये दोनों पेरेंट्स भी बने हैं. एक इंटरव्यू में अनुष्का ने बताया था कि विराट फील्ड पर जितने आक्रामक है, फील्ड के बाहर उतने ही शांत इंसान हैं.

सन 2019 में फिल्मफेयर से बात करते हुए अनुष्का शर्मा ने अपने हस्बैंड विराट कोहली के बारे में खुलकर बताया था. क्रिकेट खिलाड़ी विराट अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, लेकिन अनुष्का की मानें तो विराट सिर्फ फील्ड पर ऐसे दिखते हैं, क्योंकि क्रिकेट को लेकर विराट बेहद पैशनेट खिलाड़ी हैं. अनुष्का ने अपने इंटरव्यू में बताया कि 'विराट मैदान के बाहर बेहद रिलैक्स इंसान हैं. विराट सबसे ज्यादा शांत रहने वाले शख्स हैं. ये बात आप मेरे दोस्तों से और टीम से पूछ सकते हैं. वे फील्ड पर एग्रेसिव हैं, क्योंकि वे बहुत ही भावुक हैं. रियल लाइफ में वे बिल्कुल भी एग्रेसिव नहीं हैं. मैं कई बार विराट को देखकर कहती हूं, यू आर सो चिल.'

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के घर इसी साल जनवरी में बेटी वमिका ने जन्म लिया है. दोनों अपने अपने काम को लेकर बेहद संजीदा हैं, इसलिए बिजी रहते हैं. बावजूद इसके अपने रिश्ते की मजबूती को बनाए रखने के लिए विराट और अनुष्का अपने प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को बेहतर तरीके से जीने के लिए जाने जाते हैं.

Gundi का टीजर रिलीज सपना चौधरी

के 'धाकड़' अंदाज ने लोगों को किया दंग

हरियाणवी देसी क्वीन सपना चौधरी (Sapna Choudhary) के नए हरियाणवी गाने गुंडी (Gundi) को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है. कुछ दिनों पहले सपना चौधरी का लुक पहले ही रिलीज हो चुका है. अब गाने का दमदार टीजर (Gundi Teaser out) सामने आ चुका है, जिसमें सपना का देसी नहीं बल्कि धाकड़ अंदाज सामने आया है. टीजर गाने की एक पूरी कहानी बयां कर रहा हैं. टीजर में बताया गया है कि कैसे गांव की सीधी-सादे परिवार की लड़की दबंगों को सबक सिखाने के हाथ में हथियार पकड़ती है.

सपना चौधरी (Sapna Choudhary) ने इस गाने के टीजर को अब से कुछ देर पहले सोशल मीडिया (Social Media) पर शेयर किया है. इस टीजर में सपना हाथों में बंदूर लिए पूरी गांव में बंदूक लिए घूमती नजर आ रही हैं. टीजर शानदार और दमदार दोनों ही है.

सपना चौधरी का ये नया हरियाणवी गाना अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानी 8 मार्च को रिलीज होने जा रहा है. जो यूट्यूब चैनल dreams entertainment haryanvi पर अपलोड होगा.

ये गाना उन महिलाओं पर आधारित है, जिनको समाज में अन्याय सहना पड़ता है और वह उसके खिलाफ आवाज नहीं उठा पाती हैं. इस गाने पहली बार सपना चौधरी खास अंदाज में नजर आ रही हैं. हालांकि ये गाना कैसा होगा, म्यूजिक कैसा होगा, बोल कैसे होंगे. इसे लेकर कोई खुलासा नहीं किया गया है. लेकिन सपना का लुक खूब सुर्खियों में है और इससे ही गाने के धमाकेदार होने का अंदाजा लगाया जा रहा है.

इस गाने को राज मावर और सिमरन बुमराह ने गाया है. गाने के बोल संजीत सरोहा ने लिए हैं और गाने को म्यूजिक राज म्यूजिक ने दिया है.

ओकाला में एलपीजीए गोल्फ मुकाबले में जीत से उत्साहित अस्टिन।

कोच के कारण मिली रही नार्थईस्ट युनाईटेड की सफलता : आशुतोष

मडगांव। अनुभवी फुटबॉलर आशुतोष मेहता ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में नार्थईस्ट युनाईटेड क्लब की सफलता का श्रेय खालिद जमील को दिया है। मेहता ने कहा कि कोच ने खिलाड़ियों के रवैये को बदलकर टीम को जीत की राह पर बढ़ाया है। जमील ने विदेशी कोच गेरार्ड नुस के सत्र के बीच में टीम से हटने के बाद नार्थईस्ट युनाईटेड की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभालते हुए उसे दूसरी बार प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेहता ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के बीच बहुत अंतर नहीं है। इस सत्र में नॉर्थईस्ट युनाइटेड के खिलाड़ियों को जो चीज अलग बनाती है वह है उनकी मानसिकता। इसका पूरा श्रेय खालिद भाई को जाता है। उन्होंने टीम को चैंपियन की तरह बना दिया है। भारतीय फुटबॉल में बहुत कम ऐसे लोग है जो युवा भारतीय फुटबॉलरों की वास्तविक क्षमता को पहचानने में सक्षम हैं। जमील एक ऐसे कोच हैं जिन्होंने खिलाड़ियों को बिना डरे खेलने की आजादी दी है। उनके कोच बनने के बाद टीम एक भी मैच नहीं हारी है। गुवाहाटी की यह टीम सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में शनिवार को एटीके मोहन बागान को 1-1 की बराबरी पर रोकने में सफल रही।

वॉशिंगटन सुंदर वही भूमिका निभा सकते हैं जो 80 के दशक में मैंने निभाई थी : रवि शास्त्री

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री अपनी हरफनमौला काबिलियत की बदौलत 80 के दशक में सुनील गावस्कर और कपिल देव के पसंदीदा खिलाड़ी हुआ करते थे। उनका मानना है कि युवा खिलाड़ी वॉशिंगटन सुंदर मौजूदा टेस्ट टीम में यही भूमिका निभा सकते हैं। बाएं हाथ के विशेषज्ञ बल्लेबाज सुंदर ऑफ ब्रेक गेंदबाजी भी करते हैं, उन्होंने अपने चार टेस्ट में तीन अर्धशतकीय पारी खेलने के अलावा छह विकेट भी लिए हैं, जिसमें स्टीव स्मिथ और जो रूट का विकेट भी शामिल है।

इस सवाल पर कि क्या आपको उसमें अपनी छवि दिखायी देती है तो 80 टेस्ट के अनुभवी शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि वाशिंगटन में मेरी तुलना में ज्यादा नैसर्गिक प्रतिभा है। करीब 4000 रन और 150 से ज्यादा विकेट ले चुके शास्त्री ने कहा उसमें काबिलियत है। उसमें काफी आगे जाने की काबिलियत है। अगर वह टेस्ट में अपनी गेंदबाजी पर ध्यान दे तो भारत के पास विदेशी परिस्थितियों के लिए छठे नंबर पर बहुत अच्छा खिलाड़ी साबित हो सकता है।

रवि शास्त्री ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा ऐसा खिलाड़ी जो आपको 50, 60 और 70 के करीब रन बनाकर दे दे और फिर आपके लिए 20 ओवर गेंदबाजी करे और दो से तीन विकेट भी चटका सके। 1980 के पूरे दशक के दौरान विदेशों में मेरा यही काम हुआ करता था। मुझे लगता है कि वह इसे आसानी से कर सकता है। रवि शास्त्री ने सुझाव दिया कि वॉशिंगटन को तमिलनाडु के लिए सभी फॉर्मेट में टॉप 4 में बल्लेबाजी शुरू करनी चाहिए।

उन्होंने कहा निश्चित रूप से, उसे अपने राज्य के लिए शीर्ष चार स्थान में बल्लेबाजी करनी चाहिए। इसके बारे में कोई सवाल ही नहीं है। मैं तमिलनाडु के चयनकर्ताओं या कप्तान दिनेश कार्तिक से इस बारे में बात करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि उसे टॉप चार स्थान में बल्लेबाजी करनी चाहिए। उनके लिए वॉशिंगटन की 96 रन की पारी (जो छह विकेट पर 153 रन के स्कोर पर बनी) चेन्नई में उनकी नाबाद 85 रन की पारी से ज्यादा बेहतर थी।

शास्त्री ने कहा कि वह वॉशिंगटन और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों से खुद को जोड़कर देख सकते हैं, क्योंकि उन्होंने भी कम उम्र में विदेशों में सफलता का स्वाद चखा था। उन्होंने कहा, 21, 22 या 23 साल की उम्र में मैंने भी इसी तरह की सफलता हासिल की थी, इसलिए मैं उनसे खुद को जोड़कर देख सकता हूं। मैंने भी विदेशों में सैकड़े बनाये थे।

दूसरे एकदिवसीय में वापसी के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला टीम

लखनऊ, (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां मेहमान दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले को जीतकर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी। वहीं रविवार को हुए पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम को आठ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। कोरोना महामारी के कारण एक साल के बाद भारतीय टीम पहली श्रृंखला खेल रही है और ऐसे में खिलाड़ियों में अभ्यास की कमी साफ नजर आयी है। पहले मैच में कप्तान मिताली राज और हरमनप्रीत सिंह को छोड़कर अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पायीं। यहां तक की स्मृति मंधाना और जैमिमा रोड्रिग्यूज भी नाकाम रहीं। वहीं गेंदबाजी में अनुभवी झूलन गोस्वामी को छोड़कर अन्य गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पायी। झूलन ने दो विकेट लिए पर अन्य गेंदबाजों के विकेट नहीं लेने के कारण भारतीय टीम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पायी। ऐसे में अब दूसरे एकदिवसीय में अन्य खिलाड़ियों को भी तैयारी से उतरना होगा।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि खिलाड़ियों को आपस में घुलने मिलने के लिये थोड़ा समय चाहिए। हरमनप्रीत, मिताली, हरमनप्रीत के अलावा दीप्ति शर्मा ही विरोधी टीम के गेंदबाजों का सामना कर पायीं। अधिकतर बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेलकर विकेट गंवाये। मैच के बाद हरमनप्रीत ने भी इसे स्वीकार किया। भारतीय टीम की गेंदबाजी अच्छी मानी जाती है पर इस बार भारतीय गेंदबाज भी नाकाम रहे। विरोध टीम के बल्लेबाज आसानी से रन बनाने में सफल रहे। भारत की ओर से मिताली की शानदार बल्लेबाजी और अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन की अच्छी गेंदबाजी ही पहले मैच को सकारात्मक पक्ष रही।

वहीं हरमनप्रीत ने अपने 100वें एकदिवसीय मैच में अच्छी शुरूआत की पर वह अपने 40 रनों के स्कोर को बड़े स्कोर में बदल नहीं पायीं। मंधाना ने भी तीन आकर्षक शॉट लगाये पर इसके बाद कमजोर शॉट खेलकर पवेलियन लौटी। मिताली ने कहा, हमारी कुछ बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पायी। गेंदबाजों को लाइन व लेंथ से गेंदबाजी करनी होगी। एक साल के बाद खेलने के कारण उन्हें लाइन व लेंथ हासिल करने में दिक्कत हुई। वहीं तेज गेंदबाज मोनिका पटेल को पहले मैच में खेलने का अवसर मिला पर वह भी अवसर का लाभ नहीं उठा पायीं। ऐसे में दूसरे मैच में भी कुछ नयी खिलाड़ियों को उतारा जा सकता है क्योंकि टीम प्रबंधन अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारियों पर ध्यान दे रहा है। वहीं दूसरी ओर मेहमान दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले मैच में जीत से उत्साहित होने के कारण इस मैच में भी जीत दर्ज कर अपनी बढ़त 2-0 करने के इरादे से उतरेगी। पहले मैच में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिसे वे बरकरार रखना चाहेंगी।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : मिताली राज (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, पूनम राउत, प्रिया पूनिया, यास्तिका भाटिया, हरमनप्रीत कौर, डी हेमलता, दीप्ति शर्मा, सुषमा वर्मा (विकेट कीपर), श्वेता वर्मा, राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, झूलन गोस्वामी, मानसी जोशी, पूनम यादव, सी प्रत्यूषा, मोनिका पटेल।

दक्षिण अफ्रीका : सुन लुस (कप्तान), अयाबोंगा खाका, शबनीम इस्माइल, लॉरा वोल्वार्ट, त्रिशा चेट्टी, सिनालो जेटा, तस्मीन ब्रिटज, मारिजाने कैप, नोंडिमिसो सांगेज, लिजेल ली, एनेके बॉश, फेय ट्यूनेक्लिफ, नॉनकुलुलेको मलाबा, मिगनॉन डु प्रीज, नादिन डी क्लार्क, लारा गुडल, टुमी सेखुखुने।

एबीएन एमरो में रुस के एंड्रेई रुबेलोव पहला सेट जीतने के बाद उत्साहित होते हुए।

राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना चाहती है यह महिला स्ट्राइकर

नई दिल्ली, (संवाददाता)। जूनियर महिला हॉकी स्ट्राइकर ब्यूटी डुंगडुंग ने कहा कि उनका लक्ष्य इस साल के अंत में होने वाले एशिया कप के लिये राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना है। डुंगडुंग ने सैंटियागो में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच गोल किये थे। झारखंड की इस खिलाड़ी ने चिली की जूनियर टीम के खिलाफ पहले मैच में गोल की हैट्रिक लगायी जिसमें भारत ने 5-3 से जीत हासिल की। भारतीय टीम ने फिर चिली की सीनियर टीम को तीन बार 4-2, 2-0 और 2-1 के स्कोर से पराजित किया जबकि एक बार 2-2 से ड्रा खेला। इस खिलाड़ी ने कहा, चिली में अच्छा करने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया और पांच गोल करना मेरे लिये विशेष था।

धोनी के रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं ऋषभ पंत : मोरे

नई दिल्ली, (संवाददाता)। इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट की सीरीज शुरू होने से पहले भारत की टर्निंग पिचों पर विकेट के पीछे ऋषभ पंत की क्षमता को लेकर संदेह किया जा रहा था, लेकिन 4 टेस्ट में अकेले 428 ओवरों तक स्पिनर्स के लिए विकेटकीपिंग करने और इसी दौरान पांच स्टम्पिंग और 8 कैच पकड़ने के बाद पंत ने अपने आलोचकों को गलत साबित कर दिया है। इस वजह से टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर और चयन समिति के पूर्व चेयरमैन किरण मोरे को लगता है कि वह महेंद्र सिंह धोनी के तमाम रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

यह भारतीय टीम के सीनियर विकेटकीपर रिद्धिमान साहा के लिए तकलीफदेह हो सकता है, जिनकी पंत ने घरेलू टेस्ट सीरीज में जगह ली है। पंत ने इस भारतीय टीम को वह संतुलन दिया है, जिसकी उसे लंबे समय से तलाश थी। चौथे टेस्ट के दूसरे दिन पंत की शानदार बल्लेबाजी इस बात का उदाहरण थी कि उन्हें क्यों टेस्ट क्रिकेट में साहा पर तरजीह दी जा रही है।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर मोरे बतौर विकेटकीपर पंत में आए सुधार से प्रभावित हैं। कम से इस सीरीज को लेकर तो उनकी यही सोच है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई 4 टेस्ट की सीरीज पंत के 20 टेस्ट लंबे करियर में घर में दूसरी सीरीज है। पिछली बार 2018 में वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की घरेलू टेस्ट सीरीज में बतौर विकेटकीपर टीम का हिस्सा थे, क्योंकि तब कंधे की सर्जरी की वजह से साहा नहीं खेले थे। हालांकि, चोट के बाद घरेलू सीरीज में साहा ने वापसी कर ली थी और उन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में विकेटकीपिंग की थी। इसके बाद से ही ये एक अलिखित सा नियम बन गया था कि पंत विदेश और साहा घर में टेस्ट सीरीज में विकेटकीपर के तौर पर खेलेंगे। मोरे को यह ठीक नहीं लगता। उन्होंने कहा मैंने हमेशा सोचा है कि पंत भारत में पहले क्यों नहीं खेले। इंग्लैंड में 2018 में अपनी डेब्यू टेस्ट सीरीज में उन्होंने बतौर विकेटकीपर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहां पंत ने तीन टेस्ट में 15 कैच पकड़े थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। तब उन्होंने 4 टेस्ट में 20 कैच पकड़े थे। इसमें अकेले 11 कैच तो उन्होंने एडिलेड में हुए सीरीज के पहले टेस्ट में पकड़े थे। किसी भी भारतीय विकेटकीपर का सबसे बेहतर प्रदर्शन था। इसके बावजूद उन्हें घरेलू सीरीज में विकेटकीपिंग का मौका नहीं मिला। मोरे उस सीनियर सेलेक्शन कमेटी के चेयरमैन थे जिसने महेंद्र सिंह धोनी को सन 2000 में बतौर विकेटकीपर टीम में चुना था। उन्हें लगता है कि पंत भी धोनी के नक्शे कदम पर चल सकते हैं। मोरे को यह लगता है कि एक खिलाड़ी रोज सीखता है। खासतौर पर एक विकेटकीपर जब अलग-अलग पिच पर विकेटकीपिंग करता है, तो उसका अनुभव बढ़ता है। पंत अभी यही कर रहे हैं। वह इस समय भारत के सबसे बेहतर स्पिनर्स और तेज गेंदबाजों के लिए विकेटकीपिंग कर रहे हैं। अगर वह ऐसे ही सीखते रहे तो मुझे पूरा यकीन है कि वह एक दिन महेंद्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड को भी तोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि काफी लोगों के मन में यह सवाल है कि भविष्य में भारत के लिए पंत और साहा में से कौन खेलेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि साहा बड़े विकेटकीपर हैं। वह इस समय दुनिया के बेस्ट विकेटकीपरों में से एक हैं। जब आप टीम में संतुलन चाहते हैं, तो पंत का नाम सबसे पहले आता है। वह 6 नंबर पर आकर अकेले आपको टेस्ट जिता सकते हैं। ठीक वैसे ही जैसा ऑस्ट्रेलिया के लिए एडम गिलक्रिस्ट किया करते थे। मुझे लगता है कि पंत यहां से आने वाले 10 सालों तक तीनों ही फॉर्मेट में भारत के लिए ऐसा करेंगे। टीम मैनेजमेंट को ये फैसला करना होगा कि वह कब उन्हें आराम देता है।

अपने कौशल में सुधार कर रहे डिफेंडर संदीप

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर नीलम संदीप एस. ने कहा है कि उनका सपना ओलंपिक पदक जीतना है। इसलिए वह टीम में नियमित रूप से अपनी जगह बनाने का प्रयास कर रहे हैं। संदीप ने कहा कि उन्हें अपनी कुछ तकनीकों पर काम करने की जरुरत है और प्रत्येक खेल गतिविधियों के सीजन के साथ वह अपने कौशल में सुधार कर रहे हैं। संदीप ने कहा, यह मेरे अंतरराष्ट्रीय करियर की एक छोटी सी शुरूआत है। अगस्त 2019 में भारत के लिए मेरा आखिरी टूर्नामेंट ओलंपिक टेस्ट इवेंट था हालांकि, मैंने प्रतियोगिता के बाद से ही विभिन्न राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में अपने खेल पर कड़ी मेहनत की है इस खिलाड़ी ने कहा, मैंने कुछ तकनीकों पर ध्यान दिया है, जिन पर मुझे काम करने की आवश्यकता है और उम्मीद है कि इससे मैं एक खिलाड़ी के रूप में सुधार करूंगा।

भारतीय पायलट, क्रिकेटर और गोल्फर रहे हरदित सिंह मलिक की ब्रिटेन में लगेगी प्रतिमा

लंदन, (एजेंसी)। भारतीय पायलट, क्रिकेटर और गोल्फर रहे हरदित सिंह मलिक की याद में ब्रिटेन उनकी प्रतिमा लगाने की तैयारी कर रहा है। इंग्लैंड के साउथम्पटन में विश्व युद्ध में लड़ने वाले सभी भारतीयों के नाम से बने स्मारक में मलिक की प्रतिमा लगेगी। हरदित सिंह मलिक पहली बार 1908 में ब्रिटेन पहुंचे थे, जब वह महज 14 साल के थे। इसके बाद उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड के बैलियल कॉलेज में दाखिल लिया था। इसके बाद वह पहले विश्व युद्ध के दौरान रॉयल फ्लाइंग कॉर्प्स का हिस्सा भी बने थे। वह पहले भारतीय और ब्रिटिश सेना में पगड़ीधारी पहले पायलट थे। उनके लिए एक स्पेशल हेलमेट तैयार किया गया था। यही नहीं ब्रिटिश सेना में हरदित सिंह मलिक को फ्लाइंग सिख के नाम से जाना जाता था।

स्मारक के लिए अभियान के पीछे वन कम्युनिटी हैम्पशायर एंड डोरसेट (ओसीएचडी) है, जिसे बीते साल साउथम्पटन सिटी काउंसिल की ओर से मंजूरी दी गई थी। ओसीएचडी ने कहा, प्रथम विश्व युद्ध के नायक, हरदित सिंह मलिक की प्रतिमा, प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सशस्त्र बलों में पूरे सिख समुदाय के योगदान का प्रतीक होगी। मलिक ने ससेक्स के लिए क्रिकेट भी खेला और भारतीय सिविल सेवा में लंबे और विशिष्ट करियर के बाद फ्रांस में भारतीय राजदूत भी रहे। हालांकि उन्हें 1917-19 के दौरान लड़ाकू विमान के एक पायलट के रूप में अधिक जाना जाता है। यह स्मारक ब्रिटिश मूर्तिकार ल्यूक पेरी तैयार करेंगे, जो लायंस ऑफ द ग्रेट वार जैसे अन्य स्मारकों से भी जुड़े रहे हैं। ब्रिटिश सिख एसोसिएशन के चेयरमैन लॉर्ड रामी रेंजर ने कहा, स्मारक को जिस तरह से डिजाइन किया गया है। वह शानदार है। इस डिजाइन में हरदित सिंह मलिक को शानदार ढंग से दिखाया गया है। यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात है कि डिजाइन को कम्युनिटी की ओर से मंजूरी मिल गई है। इस मेमोरियल को अंग्रेज शिल्पकार ल्यू पेरी तैयार करेंगे, जो पहले भी कई शानदार स्मारक तैयार कर चुके हैं।

इंग्लैंड के कोच ने कहा, भारतीय स्पिनरों ने की घातक गेंदबाजी

अहमदाबाद, (एजेंसी)। इंग्लैंड के कोच क्रिस सिल्वरवुड ने माना है कि भारतीय स्पिनरों ने टेस्ट सीरीज में घातक गेंदबाजी की है। सिल्वरवुड के अनुसार इसका अंदाजा इसी से लगता है कि आर अश्विन और युवा अक्षर पटेल ने कुल 59 विकेट लेकर उनकी टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानियों पैदा कर दी थीं। इसी कारण उनकी टीम को इस सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा है। यह हार आने वाले समय तक उन्हें याद रहेगी। इंग्लैंड ने सीरीज की जीत से शुरूआत की थी पर इसके बाद जैसे ही पिचों ने टर्न लेना शुरू किया वे भारतीय स्पिनरों के शिकंजे में फंसने लगे। सीरीज में इंग्लैड के बल्लेबाजों को सीधी गेंदों से सबसे ज्यादा परेशानी हुई। सिल्वरवुड ने कहा, चार मैचों में स्पिनरों का 59 विकेट लेना दिखाता है कि उन्हें पिच से कितनी सहायता मिल रही थी। यहां बल्लेबाजी करना कठिन था। उन्होंने हमारे लिए काफी मुश्किल पैदा की, पहली पारी में रन बनान कठिन हो गया जिसकी कारण हम दबाव नहीं बना पाये।

जहां कई इंग्लैंड के कई पूर्व क्रिकेटरों ने पिचों की आलोचना की वहीं सिल्वरवुडने कहा कि यह स्वीकार करना पडेगा कि कि मेजबानों ने अंतिम तीन टेस्ट मैचों में हमें हर क्षेत्र में पीछे छोड़ दिया। उन्होंने कहा, उन्होंने अपने घरेलू हालात में हमें पूरी तरह से पस्त कर दिया। मैं इसके लिए भारतीयों को काफी श्रेय दूंगा। उन्होंने पहले टेस्ट में हारने के बाद वापसी की। हमने उनसे उम्मीद की थी पर उन्होंने उससे भी अच्छी वापसी की। सिल्वरवुड ने कहा कि यह हार उनकी टीम को आने वाले समय में बेहतर होने में सहायता देगी अब वह अपने प्रदर्शन से सीख लेगी।

स्लोवाकिया में पोलैंड की मार्यना अल्पाइन स्की मुकाबले में भाग लेती हुई।

बदलाव के दौर में मजबूत बेंच स्ट्रेंथ का लाभ मिलेगा : कोहली

अहमदाबाद, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में एक के बाद एक प्रतिभाशाती खिलाड़ियों के सामने आने से कप्तान विराट कोहली बेहद उत्साहित हैं। विराट का कहना है कि किसी भी टीम के लिए एक मजबूत बेंच स्ट्रेंथ होना बेहद अहम रहता है। इससे बदलावों में सहायता मिलती है। ऐसे में जब अगले कुछ वर्षों में टीम बदलाव के दौर से गुजरेगी तो उसे परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा क्योंकि उसके पास पहले सही अनुभवी खिलाड़ी रहेगे। वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे कई युवा खिलाड़ियों के आने से भारतीय टीम ने घरेलू मैदानों के साथ ही विदेशी धरती पर भी जीत दर्ज की हैं। भारतीय टीम को जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद स्वदेश में शुरूआती हार के बाद जीत मिली वह इस बात को साबित करती है कि अब टीम में जुनूनी युवा हैं जो हर हालात का सामना कर सकते हैं। कोहली ने कहा, हमारी बेंच स्ट्रेंथ बेहद मजबूत है और यह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है। जब टीम में बदलाव का दौर आयेगा तो इसके प्रदर्शन के स्तर में गिरावट नहीं होगी।

कोहली ने कहा, हमें चेन्नई में पहले मैच के बाद टीम की बॉडी लैंग्वेज को सही किया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर टीम बेहतरीन है और घरेलू मैदान पर भी उन्हें हराने के लिए हमें कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। लय और पैनापन को हमें आगे भी जारी रखना होगा। यही हमारी टीम की पहचान है। वहीं अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने कहा कि श्रृंखला में जब भी हमारे लिए परिस्थिति चुनौतीपूर्ण होती थी तब कोई ना कोई खिलाड़ी आगे आकर शानदार प्रदर्शन करता था। अश्विन ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की भी सराहना करते हुए कहा कि इस युवा विकेटकीपर बल्लेबाज की खेल के दिग्गजों से तुलना करना सही नहीं है।

उन्होंने कहा, पिछले साल ऋषभ को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है, दिग्गज खिलाड़ियों से उसकी तुलना करना सही नहीं होगा। उसने इस श्रृंखला में जिस तरह से बल्लेबाजी की वह शानदार है। उन्होंने वामहस्त स्पिनर अक्षर पटेल की तारीफ करते हुए कहा, अक्षर टीम में रविन्द्र जडेजा की जगह पर आया था। वह सभी प्रशंसा का हकदार है और अपनी पहली श्रृंखला खेल रहे किसी खिलाड़ी के तौर पर वह काफी बेहतरीन है।